रीवा
21 फरवरी 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने यूरोपीय देश के प्रिंस से की मुलाकात, सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पहली बार आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आज पांचवां दिन है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इस ऐतिहासिक समागम में 100 से अधिक देशों के तकनीकी धुरंधर शिरकत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में लिकटेंस्टीन के प्रिंस एलोइस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। भारत और लिकटेंस्टीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना वर्ष 1993 में हुई थी, जिसमें स्विट्जरलैंड में भारत के राजदूत को लिकटेंस्टीन में समवर्ती मान्यता प्राप्त राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, वर्ष 2023 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 वर्ष पूरे हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई और डीपटेक स्टार्टअप्स के CEOs से की मुलाकात :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपटेक क्षेत्र के प्रमुख स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (CEOs) से मुलाकात कर उभरती तकनीकों और नवाचार पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में हेल्थकेयर, साइबर सिक्योरिटी, स्पेस टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत-अमेरिका संबंधों पर राजदूत सर्जियो गोर का बयान :भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के व्यापक अवसर मौजूद हैं। एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन सत्र के बाद गोर ने कहा, 'यह एक बेहद प्रभावशाली समिट रही है। हमारे दोनों देशों के बीच कई अवसर हैं और हम इस सहयोग को आगे बढ़ाने को लेकर उत्सुक हैं।'

चौथे दिन दिग्गजों की मौजूदगी ने बटोरी सुर्खियां

समिट के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक हस्तियों की मौजूदगी में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने एआई को भविष्य की ताकत के रूप में पेश किया और कहा कि भारत इससे भयभीत नहीं है। उनके अलावा गूगल के भारतवंशी सीईओ सुंदर पिचाई, टाटा के प्रमुख एन चंद्रशेखरन, ओपन एआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन ने भी अपनी नीतियों के साथ-साथ एआई को लेकर नजरिया साझा किया। भारत के अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी ने रिलायंस-जियो की तरफ से आगामी सात साल में 10 लाख करोड़ रुपये निवेश का एलान किया।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन

● भारत मंडपम में मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए; अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोधी नारे लगाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा- 'PM इज कंप्रोमाइज्ड'। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए थे।

भाजपा बोली- कांग्रेस के लिए एआई का मतलब एंटी-इंडिया

भाजपा ने एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की आलोचना की है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x कहा कि कांग्रेस के लिए एआई का मतलब एंटी-इंडिया है। यह INC नहीं, बल्कि एंटी-नेशनल कांग्रेस है। शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस राहुल गांधी के कहने पर विरोध कर रही है। यह बिना मुद्दे का, बिना सोच का और बिना भावना का प्रदर्शन है। यह भाजपा या प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन नहीं, यह भारत की उपलब्धियों के खिलाफ प्रदर्शन है।

समिट में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल

इस समिट की थीम राष्ट्रीय विजन 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय', यानी सभी का कल्याण, सभी का सुख पर आधारित है। इसका उद्देश्य मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत को बढ़ावा देना है। इस समिट में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इसके अलावा लगभग 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 से ज्यादा मंत्री, और 45 से ऊपर तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हुए। इसके अलावा 300+ प्रदर्शक और 30+ देशों की थीम पवेलियन्स भी समिट का हिस्सा रहे हैं, जो वैश्विक साझेदारी और एआई के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

जल्द शुरू होगा एसआईआर का तीसरा चरण, दिल्ली समेत 22 राज्यों की बारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने देश की मतदाता सूचियों को अधिक सटीक, पारदर्शी और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। गुरुवार को निर्वाचन आयोग ने शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना की तैयारियों का जायजा लिया। आधिकारिक संकेतों के अनुसार, इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल 2026 से शुरू होने की संभावना है। आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रारंभिक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें ताकि मतदाता सूची से त्रुटियों को दूर कर एक शुद्ध डेटाबेस तैयार किया जा सके।

मतदाता सूची शुद्धिकरण का यह सफर कई चरणों में विभाजित है। इस प्रक्रिया का पहला चरण विशेष रूप से बिहार में सफलतापूर्वक लागू किया गया था, जिसके सकारात्मक परिणामों के बाद अक्टूबर 2025 में दूसरे चरण की शुरुआत की गई। दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया था। इन दोनों शुरुआती चरणों के माध्यम से अब तक देश के लगभग 60 करोड़ मतदाताओं का डेटा कवर किया जा चुका है। वर्तमान में जिन 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आयोग ने संपर्क साधा है, वहां लगभग 39 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। हालांकि, पिछले अनुभवों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि आयोग तीसरे चरण में इन सभी 22 क्षेत्रों को एक साथ शामिल करने के बजाय रणनीतिक रूप से कुछ राज्यों को अगले चरणों के लिए सुरक्षित रख सकता है।

शशि थरूर बोले-बड़े इवेंट्स में गड़बड़ियां हो सकती हैं

दिल्ली में चल रहे एआई समिट की तारीफ की; राहुल ने इसे पीआर तमाशा बताया था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद चर्चा में है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर पार्टी सांसद शशि थरूर की टिप्पणी सामने आई है। उन्होंने कहा- समिट में पहले कुछ दिन बहुत अच्छे रहे, कुछ गड़बड़ियां हुई हैं, लेकिन बड़े इवेंट्स में ऐसी समस्याएं हो सकती हैं। थरूर ने समिट की तारीफ करते हुए कहा- जो बात प्रभावशाली रही वह राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और दुनिया के नेताओं की मौजूदगी थी। वे सभी AI डेवलपमेंट में नई इंटीग्रेटेड दुनिया देखने की इच्छा के एक मजबूत संदेश के साथ आए थे। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली में थरूर की केरल के महान समाज सुधारक संत श्री नारायण गुरु पर लिखी अपनी किताब की लॉन्चिंग हुई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किताब 'हिंदू धर्म को पुनर्परिभाषित करने वाले संत : श्री नारायण गुरु का जीवन, पाठ और विरासत' का विमोचन किया।

जयराम रमेश बोले- MODI गवर्नमेंट मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया' :कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में आयोजित एआई इम्पेक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी की है। उन्होंने शुक्रवार को ङ्ग पोस्ट में लिखा कहा- MODI गर्वनेंस का मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया, यानी भारत को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचा रहे है। उन्होंने लिखा कि अमेरिका-पाकिस्तान बीच रोमांस बिना रुके जारी है। जब ये हो रहा था तब खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले संक्षिप्त शब्दों में दुनिया को ज्ञान दे रहे थे और ष्टश्वह्य को अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर कर रहे थे।

पुतला दहन के दौरान भड़की आग, ट्रैफिक टीआई झुलसे

मैहर में मंत्री विजयवर्गीय के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन में हादसा

सतना, एजेंसी। मैहर में शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान ट्रैफिक टीआई आग से झुलस गए। यह घटना उस समय हुई, जब प्रदर्शनकारी पुतला दहन कर रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। यह प्रदर्शन प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किया जा रहा था। दरअसल, विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अपशब्द कहे थे। पुतला दहन के दौरान टीआई विक्रम सिंह पाठक हालात संभालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान आग अचानक भड़क गई और वे झुलस गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मैहर एसपी ने कहा कि इस घटना से सभी आहत हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों और चौराहों पर पेट्रोल जैसे ज्वलनशील पदार्थों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। आम लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। पुलिस ने मामले का संज्ञान ले लिया है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की बात कही है।

प्रियंका गांधी बोलीं- गौरव गोगोई सही रास्ते पर हैं, हिमंता चुनाव से डरे, इसलिए आरोप लगा रहे

परिवार को राजनीति में घसीटना गलत

गुवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गौरव गोगोई और उनके परिवार को 'पाकिस्तान लिंक' के आरोपों में घसीटना गलत राजनीति है। प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए।

प्रियंका बोली- गौरव जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है। असम की जनता जानती है कि दूसरी तरफ के लोग उनसे घबराए हुए हैं। वह सही रास्ते पर चल रहे हैं। यह उनके लिए सम्मान की बात है।

प्रियंका गांधी का आज असम दौरे का दूसरा दिन है। सुबह वह गुवाहाटी के पास सोनापुर पहुंचीं। गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

हिमंता के सीएम नहीं बनाने पर भी तंज : प्रियंका गांधी ने हिमंता के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के लिए कई कारक तय करते हैं। अगर वे दस साल बाद भी मुख्यमंत्री नहीं बनने देने कि बात पर रो रहे हैं, तो मुझे और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

असम सरकार के खिलाफ 20 पॉइंट्स की चार्जशीट जारी

प्रियंका गांधी ने असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार के खिलाफ 20 पॉइंट्स की चार्जशीट जारी की। यह चार्जशीट असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से तैयार की गई है।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि प्रियंका गांधी असम की जनता की भावनाएं समझने आई हैं और कांग्रेस पार्टी आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

शाह मानहानि केस-राहुल गांधी का आरोपों से इनकार

कहा- राजनीतिक साजिश में फंसाया; सुल्तानपुर में मोची के परिवार से मिले

सुलतानपुर, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की MP/MLA कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है।

पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा-हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। कोर्ट से निकलने के बाद राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। राहुल ने मोची की पोती श्रद्धा को गोद में लिया। उसके पैर में चोट देखकर उन्होंने पूछा कि क्या हुआ। परिवार ने बताया कि चोट ठीक नहीं हो रही है। इस पर राहुल ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से बच्ची के इलाज की बात कही। उन्होंने बच्ची को चॉकलेट भी दी। रामचेत मोची की तीन महीने पहले कैंसर से मौत हो गई थी। डेढ़ साल पहले राहुल गांधी ने उनकी दुकान पर बैठकर जूते सिले थे। बाद में उन्होंने रामचेत को सिलाई मशीन भी भेजी थी।

मुख्यमंत्री स्टालिन बोले- तमिलनाडु के लोगों को भरोसा है कि दो महीने में फिर से डीएमके सरकार बनाएगी

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सभी पार्टियां चुनावी तैयारी में जुट गई है। इसी बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि डीएमके दो महीने के भीतर फिर से सरकार बनाएगी।

दो महीने बाद वापसी :यह देखते हुए कि डीएमके आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी करेगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कई विकास पहलों को पूरी ऊर्जा के साथ शुरू करेंगे। डीएमके के अध्यक्ष स्टालिन ने विधानसभा में कहा, 'तमिलनाडु की जनता की तरह, मुझे भी पूरा विश्वास है कि अगले 2 महीनों में डीएमके सरकार का फिर से गठन होगा।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार बनेगी जो हमारी अपनी उपलब्धियों को भी पार कर जाएगी।'

महिला के पेट से कैंची नुमा सर्जिकल टूल निकला

● एक्स-रे में पता चला, बोली- 5 साल पहले सर्जरी हुई, तब डॉक्टर ने लापरवाही की

अलाप्पुझा, एजेंसी। सर्जरी के 5 साल बाद महिला के पेट में सर्जिकल टूल (आर्टरी फोर्सेप्स) मिलने का मामला सामने आया है। केरल के अलाप्पुझा के पुन्नप्रा गांव की रहने वाली उषा जोसेफ (51) के पेट में टूल मिला है। ऊषा के बेटे शिबिन ने बताया कि मां की मई 2021 में अलाप्पुजा मेडिकल कॉलेज में गर्भाशय की गांठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह घर आ गई थीं, लेकिन उनके पेट में लगातार दर्द बना रहता था। शिबिन के मुताबिक मां का पेट दर्द का इलाज लगातार चल रहा था। हमे लगा कहीं किडनी में स्टोन तो नहीं, इसलिए उनका एक्स-रे कराया। उनके पेट में आर्टरी फोर्सेप्स (छोटी ब्लड वेसल्स को पकड़ने का टूल) नजर आया।

शिबिन ने कहा कि हम एक्स-रे रिपोर्ट लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। तो वहां के डॉक्टरों ने मां के पेट से सर्जरी करके टूल निकालने की बात कही। लेकिन अब मां को कोच्चि के निजी अस्पताल में एडमिट कराया है।

मेडिकल कॉलेज ने किया मुआवजे से इनकार: शिबिन ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने इस मामले में मुआवजा देने से इनकार कर दिया है। मैं अब पुलिस में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ FIR दर्ज कराऊंगा। मेडिकल कॉलेज की सर्जन डॉ. ललिताम्बिका (वर्तमान में रिटायर) ने मां की सर्जरी के लिए पैसे भी लिए थे।

रिटायर्ड सर्जन बोलीं- मैंने सर्जरी नहीं की

वहीं, मामले पर रिटायर्ड सर्जन डॉ. ललिताम्बिका ने कहा है कि उन्होंने ऊषा की सर्जरी नहीं की थी। यह सर्जरी उनके रिटायरमेंट से ठीक पहले हुई थी, जब वह अस्पताल के सर्जरी के बड़े केस में शामिल भी नहीं थीं। मैं उस समय यूनिट हेड थी, इसलिए मुझ पर आरोप लगाया जा रहा है।

डॉ. ललिताम्बिका ने कहा कि ऑपरेशन से पहले और बाद में फ्लोर नर्स टूल्स की गिनती करती है। इस फेल्योर के लिए वही जिम्मेदार है। मैंने मरीजों से किसी तरह की रकम नहीं ली है।

स्वास्थ्य मंत्री बोले- अधिकारियों को निलंबित करेंगे

मामले पर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि जो भी अधिकारी-कर्मचारी इस सर्जरी में शामिल थे और आज भी सरकारी सेवा में हैं। उनके खिलाफ जांच होगी। लापरवाही मिलने पर उन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना स्क्रब नर्स के सर्जरी कैसे की जा सकती है? अगर ऐसी सर्जरी होती है, तो यह अपने आप में उल्लंघन होगा। मामले की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट हेल्थ एजुकेशन डायरेक्टर को सौंप दी गई है। अब मामले की जांच के लिए सीनियर डॉक्टरों की एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

I-Pac रेड विवाद-ममता पर पावर के गलत इस्तेमाल का आरोप

● ईडी सुप्रीम कोर्ट में बोली-सीएम के फायदे के लिए पुलिस ने काम में रुकावट डाली

नई दिल्ली/ कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय जांच एजेंसी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट(ED) ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पावर का गलत इस्तेमाल किया है। एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि CM और राज्य की मशीनरी कथित कोयला चोरी स्कैम के सिलसिले में I-PAC ऑफिस और उसके डायरेक्टर के ठिकानों पर रेड के दौरान गैर-कानूनी तरीके से घुसे। केंद्रीय एजेंसी ने बुधवार को हुई सुनवाई में अपने जवाब में कहा कि राज्य पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने मिलीभगत की है और PMLA के तहत ED के अधिकारियों के काम करने में रुकावट डाली है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि ये सब पश्चिम बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निजी फायदे के लिए किया गया है।

ED ने I-PAC रेड मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। ED का आरोप है कि 8 जनवरी को I-PAC के ऑफिसों पर रेड के दौरान सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस के अधिकारियों ने उनकी कार्रवाई में रुकावट डाली।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवारई 18 मार्च तक टाल दी है। इससे पहले 3 फरवरी को सुनवाई टाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का ED की जांच में बाधा डालना बहुत गंभीर मुद्दा है।

रायपुर में दोस्त ने सिगरेट पीने से मना किया तो पेट्रोल पंप पर बाइक में लगा दी आग, दोनों आरोपित गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। रायपुर के एक पेट्रोल पंप पर बाइक की टंकी मे मंगलवार को एक युवक ने लाइटर से आग लगा दी। हालांकि, पंप कर्मचारियों की सतर्कता से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। घटना 17 फरवरी शाम सात बजे की है। दो युवक बाइक में पेट्रोल डलवाने पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक के पीछे बैठा युवक सिगरेट जलाने लगा। उसके साथी ने पेट्रोल पंप परिसर में सिगरेट न जलाने की हिदायत दी। इसी बात से नाराज होकर युवक ने लाइटर से बाइक में आग लगा दी। आग की लपटें उठते ही कर्मचारी घबरा गए। इस दौरान आग की चिंगारी आरोपित युवकों पर भी गिरी, जिससे वह घबराकर मौके से भाग गए।

हर पापी का भविष्य होता है, हाईकोर्ट में जज साहब ने 2 अपराधियों की सजा कम की

बैंगलौर, एजेंसी। अदालत ने दोषसिद्धि को बरकरार रखा और याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे 20 फरवरी या उससे पहले ट्रायल कोर्ट में दो-दो लाख रुपये जमा करें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो याचिकाकर्ताओं को अपनी शेष सजा काटने के लिए आत्मसमर्पण करना होगा। फर्जी एटीएम बनाकर खाते से पैसा उड़ाने के दोषियों की सजा में कर्नाटक हाईकोर्ट ने संशोधन किया है। धारवाड़ बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर पापी का भविष्य होता है और अपराधियों से नफरत नहीं करना चाहिए। हालांकि, अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है, लेकिन याचिकाकर्ताओं की तरफ से कस्टडी में गुजारे समय पर विचार करने का फैसला किया है। दोनों ओरिजिनल एटीएम कार्ड धारकों से कार्ड चुरा लेते थे और उनका डुप्लीकेट तैयार कर चोरियों को अंजाम देते थे। दोनों को क्रमश- 3 और 2 साल की सजा सुनाई गई थी। उनकी याचिका पर जस्टिस वी श्रीनंद सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए, जस्टिस वी श्रीशानंद ने सजा के संबंध में निचली अदालत के आदेश में संशोधन किया। उन्होंने याचिकाकर्ताओं द्वारा पहले ही काटी जा चुकी जेल की अवधि को ही उनकी पूर्ण कारावास की अवधि मान लिया। कोर्ट ने कहा कि दोषसिद्धि के आदेश में दखल देने की जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा कि पर्याप्त सामग्री मौजूद है, जो साबित करती है कि याचिकाकर्ता, गवाह 1, 5 और 6 के एटीएम कार्ड के डुप्लीकेट बनाने में शामिल थे। साथ ही इसके जरिए रुपये भी निकाले गए थे। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने अपने फायदे के लिए तकनीक का गलत इस्तेमाल किया है और खाता धारकों के पासवर्ड चुराए हैं।

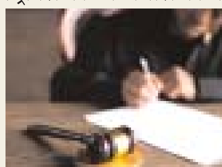

इन बातों पर किया विचार : अदालत ने इस बात पर गौर किया कि ट्रायल मजिस्ट्रेट ने इस तथ्य को संज्ञान में लिया था कि याचिकाकर्ता पहली बार अपराध करने वाले व्यक्ति हैं। साथ ही याचिकाकर्ता नंबर 1 के पास भरण-पोषण के लिए एक युवा पत्नी और दो साल की छोटी बच्ची है, साथ ही उन्होंने इस आपराधिक मामले के जल्द निपटारे में भी पूरा सहयोग दिया है।

2 लाख रुपये जमा करने के आदेश: अदालत ने दोषसिद्धि को बरकरार रखा और याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे 20.02.2026 या उससे पहले ट्रायल कोर्ट में दो-दो लाख रुपये जमा करें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो याचिकाकर्ताओं को अपनी शेष सजा काटने के लिए आत्मसमर्पण करना होगा।

मुआवजा मिला: अदालत ने आगे कहा कि वसूल की गई जुर्माने की राशि में से 50,000 रुपये, 50,000 रुपये और 25,000 रुपये की राशि गवाह 1, 5 और 6 को मुआवजे के रूप में दी जाए। यह आदेश घटना में उन्हें हुए वित्तीय नुकसान को ध्यान में रखते हुए दिया गया है।

डीजीपी ने मर्यादाओं को ताक पर रखकर ममता के लिए किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच चल रहा टकराव अब देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज पर एक बेहद गंभीर मोड़ ले चुका है। आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने ताजा हलफनामे में प्रवर्तन निदेशालय ने सीधे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारियों पर जांच में अवैध हस्तक्षेप और सबूतों की चोरी में मदद करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। एजेंसी ने अदालत से इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपने और मुख्यमंत्री व अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की पुरजोर मांग की है। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक और एक प्रमुख शहर के पुलिस आयुक्त जैसे उच्च पदस्थ अधिकारियों ने संवैधानिक मर्यादाओं को ताक पर रखकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निजी हितों के लिए काम किया। हलफनामे के अनुसार, इन अधिकारियों ने न केवल ईडी की छापेमारी के दौरान बाधा उत्पन्न की, बल्कि मुख्यमंत्री के इशारे पर वहां से महत्वपूर्ण साक्ष्य जबरन हटाने में भी मदद की। यह मामला राजनीतिक परामर्शदाता कंपनी आई-पैक (के परिसर और इसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि एक वैधानिक जांच के दौरान पुलिस का इस तरह का हस्तक्षेप अत्यंत असामान्य और कानून के शासन का उल्लंघन है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले यह दावा किया था कि उन्होंने जांच अधिकारियों से विनम्रतापूर्वक उपकरण ले जाने का अनुरोध किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए अदालत से कहा कि सच्चाई इससे कोसों दूर है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के दावे के विपरीत, उन्हें कोई भी डिजिटल डिवाइस या दस्तावेज ले जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। पुलिस ने राज्य के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति की मदद की ताकि वे उस परिसर में जबरन घुस सकें जहां आधिकारिक तलाशी चल रही थी। ईडी ने इसे आपराधिक सामग्री की चोरी करार दिया है। ईडी ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब यह मामला कलकत्ता उच्च न्यायालय पहुंचा, तो मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी के सदस्यों ने व्हाट्सएप और अन्य माध्यमों से वकीलों और समर्थकों की भारी भीड़ जुटाई। एजेंसी के अनुसार, वहां जानबूझकर हंगामा किया गया ताकि न्यायिक कार्यवाही के लिए माहौल अनुकूल न रहे। ईडी ने इसे अपने निष्पक्ष सुनवाई के मौलिक अधिकार का हनन बताया है। जांच एजेंसी ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिन्हें कानून की रक्षा करनी थी, उन्होंने ही कानून अपने हाथ में ले लिया। राज्य सरकार की इस दलील को भी प्रवर्तन निदेशालय ने पूरी तरह गलत बताया कि इसमें किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है। एजेंसी का कहना है कि यह मामला सरकारी मशीनरी के घोर दुरुपयोग और मुख्यमंत्री व राज्य के अधिकारियों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्यों से संबंधित है। ईडी ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी आरोपी को एफआईआर दर्ज होने से पहले या जांच के शुरुआती चरण में सुनवाई का अधिकार नहीं होता, इसलिए राज्य के अधिकारियों का हस्तक्षेप पूरी तरह अवैध है।

ट्रेनिंग में मुलाकात, डीएम चैंबर में शादी

आईएएस कपल ने पेश की सादगी की मिसाल

अलवर, एजेंसी। चकाचौंध, भारी-भरकम खर्च और शाही शादियों के दौर में भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो युवा अधिकारियों ने सादगी की एक नई इबारत लिखी है। 2023 बैच के आईएएस अधिकारी माधव भारद्वाज और अदिति वार्ष्णेय ने बिना किसी शोर-शराबे और पारंपरिक आडंबर के एक-दूसरे का हाथ थामकर समाज को सादगी का संदेश दिया है। 18 फरवरी को राजस्थान के अलवर स्थित मिनी सचिवालय में इन दोनों अधिकारियों ने कोर्ट मैरिज की। इस विवाह की खास बात यह रही कि इसमें न कोई बैंड था, न कोई पुजारी और न ही कोई लंबी-चौड़ी बारात।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी की यह कानूनी प्रक्रिया अलवर की जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की मौजूदगी में संपन्न हुई। माधव और अदिति ने कलेक्टर के चैंबर में ही एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इस सादे समारोह में केवल उनके परिवार के कुछ करीबी सदस्य ही मौजूद थे। जैसे ही अधिकारियों और कर्मचारियों को इस शादी की खबर मिली, वे भी इस खास पल के गवाह बनने के लिए वहां एकत्र हो गए। वर्तमान में माधव भारद्वाज अलवर में ही उपखंड मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात हैं, जबकि अदिति वार्ष्णेय गुजरात के जामनगर में डीएम के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

ट्रेनिंग से शुरू हुआ सफर : दोनों की प्रेम कहानी और साथ चलने का फैसला मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान शुरू हुआ। ट्रेनिंग के दौरान दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि न केवल उनके विचार मिलते हैं, बल्कि जनसेवा को लेकर उनका दृष्टिकोण भी एक जैसा है। इसी आपसी समझ और समान मूल्यों ने उनके बंधन को जीवन भर के रिश्ते में बदल दिया। उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि वे अपनी शादी में फिजूलखर्ची से बचेंगे।

उत्तर प्रदेश के बरेली की रहने वाली अदिति ने अपनी स्कूली शिक्षा बिशप कॉनराड स्कूल से पूरी की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज से बीए ऑनर्स किया। उन्होंने यूपीएससी की तैयारी के लिए अपनी पोस्ट-ग्रेजुएशन बीच में ही छोड़ दी थी। अदिति की सफलता की कहानी बेहद खास है क्योंकि उन्होंने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया 57वीं रैंक हासिल की थी। उन्होंने सामान्य अध्ययन के लिए कोई कोचिंग नहीं ली थी। अदिति ने इस उपलब्धि के साथ अपनी मां का वह सपना पूरा किया, जो वह खुद के लिए देखती थीं।

माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़ बने अधिकारी : दूल्हे माधव भारद्वाज का सफर भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहा। कंप्यूटर साइंस में बीटेक अहमदाबाद से एमबीए करने के बाद माधव माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम कर रहे थे। कोरोना महामारी के दौरान जब वे वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे, तब उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी शुरू की। पहले प्रयास में वे मात्र 3 नंबरों से चूक गए, लेकिन हार नहीं मानी। दूसरे प्रयास में उन्होंने 536वीं रैंक हासिल की और देश सेवा के अपने सपने को सच कर दिखाया। अदिति के पिता दिनेश वार्ष्णेय ने बताया कि हालांकि कोर्ट मैरिज सादगी से हुई है, लेकिन जल्द ही बरेली में एक पारंपरिक समारोह का आयोजन भी किया जाएगा ताकि रिश्तेदार और परिचित इस खुशी में शामिल हो सकें।

केरल स्टोरी 2 फिल्म को लेकर भाजपा ने सीएम विजयन पर बोला हमला

दोहरी नीति का लगाया आरोप

कोच्चि, एजेंसी। केरल स्टोरी 2 फिल्म को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन पर हमला बोला। उन्होंने विजयन पर दोहरी नीति और स्वतंत्रता के अधिकार का चयनात्मक व्याख्या करने का आरोप लगाया। केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने द केरल स्टोरी 2 को नफरत फैलाने वाली फिल्म करार दिया है। गौरतलब है कि कामाख्या नारायण सिंह द्वारा निर्देशित केरल स्टोरी 2-गोज बियान्ड का टीजर हाल ही में जारी किया गया। इस सीरिज की पहली फिल्म, द केरल स्टोरी, ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ छायांकन के पुरस्कार जीते थे। केरल के मलप्पुरम में 2023 में आयोजित फलस्तीन समर्थक कार्यक्रम में हमास के एक सरगना की ऑनलाइन भागीदारी का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय राजधानी में कहा, जब हमास हमारे युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की कोशिश करता है तो मुख्यमंत्री इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताते हैं, लेकिन अगर कोई लव जिहाद पर फिल्म बनाता है, तो यह स्वतंत्रता और अनुच्छेद 19 कहां है? यह उनकी दोहरी नीति को दर्शाता है। यह सब उनकी चयनात्मक व्याख्या है। आगे कहा कि अगर सीएम को फिल्म पसंद नहीं है, तो न देखें। जो लोग इसे देखना चाहते हैं, उन्हें देखने दें। अगर हमास को स्वतंत्रता का अधिकार है, तो केरल स्टोरी फिल्म के निर्माताओं को भी है। भाजपा ऐसी दोहरी नीति को स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा नेता ने इस मुद्दे पर माकपा को बहस के लिए चुनौती दी। चंद्रशेखर ने कहा कि लव जिहाद कोई कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविकता है और अगर विजयन इसे नजरअंदाज करना चाहते हैं, तो यह उनकी समस्या है।

आरोप लगाया कि विजयन इस मुद्दे पर चुप हैं क्योंकि वह विशेष समुदाय से वोट पाने की कोशिश कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि अब माकपा का समय समाप्त हो गया है। इस बीच एक्स पर पर पोस्ट में, विजयन ने कहा कि केरल स्टोरी के सीक्वल की रिलीज को अत्यंत गंभीरता से देखा जाना चाहिए। यह चौंकाने वाली बात है कि सांप्रदायिक कलह भड़काने के उद्देश्य से गढ़ी गई कहानियों को खुली छूट मिल जाती है, जबकि कला की आलोचनात्मक अभिव्यक्तियों को दबा दिया जाता है। इससे पहले बुधवार को भी विजयन ने द केरल स्टोरी -2 की आगामी रिलीज पर चिंता जताते हुए दावा किया था कि इसका पहला भाग राज्य के खिलाफ नफरत फैलाने और इसकी धर्मनिरपेक्ष परंपरा को कमजोर करने के इरादे से बनाया गया था।

फुटबॉल खेलते समय अचानक गिर पड़े शिलांग के सांसद, मौत; सदमे में पूरा मेघालय

शिलांग, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पहले माविर्योंग कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया। वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, इसलिए उन्हें तुरंत एडवांस इलाज के लिए जियाव के डॉ. एच. गॉर्डन रॉबर्ट्स हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। मेघालय की राजधानी शिलांग में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां के सांसद रिकी एजे सिंगकोन की 54 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सिंगकोन गुरुवार को मावलाई माविर्योंग में दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलते समय बेहोश हो गए थे। वे वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी के नेता थे। न्यूज 18 ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि सांसद एक फ्रेंडली मैच में हिस्सा ले रहे थे, तभी वे अचानक मैदान पर गिर पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पहले माविर्योंग कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया। वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, इसलिए उन्हें तुरंत एडवांस इलाज के लिए जियाव के डॉ. एच. गॉर्डन रॉबर्ट्स हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

पूरे मेघालय में शोक का माहौल : घटना के तुरंत बाद मेघालय के डिप्टी चीफ प्रेस्टोन तिनसॉन्ग, वीपीपी चीफ आर्डेंट एम. बसायावमोइट समेत कई पॉलिटिकल लीडर भी हॉस्पिटल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की, लेकिन सांसद को बचाया नहीं जा सका। अब मौजूदा सांसद की अचानक मौत से पूरे मेघालय के लोग सदमे में हैं। कई नेताओं और समर्थकों ने घटना पर दुख जताया है।

मुख्यमंत्री संगमा ने जताया दुख: उनके निधन के बाद मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने एक्स पर शोक जताया और लिखा, शिलांग के माननीय सांसद, डॉ. रिकी ए. जे. सिंगकोन के असमय निधन से बहुत सदमा लगा और बहुत दुखी हूं। डॉ. रिकी एक समर्पित और दयालु नेता थे, जिनमें जनता की सेवा के लिए गहरा उत्साह और अपने लोगों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। वह विश्वास में पक्के थे और उन्होंने विनम्रता, दूरदर्शिता और समाज को आगे बढ़ाने की सच्ची इच्छा के साथ सेवा की।

अगले 10 दिनों में मिडिल ईस्ट में होगा कुछ बड़ा, ईरान को ट्रंप की कड़ी चेतावनी; कहा- बुरे नतीजे होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा बयान दिया है। बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में उन्होंने कहा कि ईरान को एक सार्थक समझौता करना होगा, नहीं तो हालात खराब हो सकते हैं। ट्रंप ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, अगले लगभग 10 दिनों में आपको पता चल जाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता करना हमेशा आसान नहीं रहा है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई मजबूत और सार्थक डील नहीं होती है, तो बुरी चीजें हो सकती हैं। इस बयान के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत फिर से शुरू हुई है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। उन्होंने ब्रिटेन को चेतावनी दी कि वह हिंद महासागर के चागोस द्वीपसमूह पर अपनी संप्रभुता न छोड़े। ट्रंप ने कहा कि वहां स्थित डिएगो गार्सिया एयरबेस ईरान के खिलाफ जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल की जा सकती है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस को जानकारी दी गई है कि सेना इस सप्ताहांत तक हमले के लिए तैयार है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप अंतिम फैसला लेंगे या नहीं। एक सूत्र के अनुसार, ट्रंप इस मुद्दे पर गहराई से विचार कर रहे हैं और अपने सलाहकारों से राय ले रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप को ऐसे सैन्य विकल्प बताए गए हैं, जिनका मकसद अधिकतम नुकसान पहुंचाना है। इनमें ईरान के कई राजनीतिक और सैन्य नेताओं को निशाना बनाने और सरकार को गिराने की योजना भी शामिल बताई गई है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है।

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप, अमेरिकी सांसद का दावा, बोले-हो रहा दोहरा बर्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए।

टैरिफ गेमचेंजर, व्यापार घाटे में 78 फीसदी कमी आई- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय विभिन्न कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ को दिया और इसे कई दशकों में पहली उपलब्धि करार दिया। सोशल मीडिया में बुधवार को यह जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि इस साल के अंत तक अमेरिका का व्यापार सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगा।

आंकड़े ट्रंप के दावों से उलट : हालांकि, राष्ट्रपति के दावों के उलट आंकड़े कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अमेरिका का व्यापार घाटा फिर से बढ़कर 56.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र, पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू, एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है। जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को बफर स्टेट से सक्रिय सेतु (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है।

एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे। पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा। सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया। यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे उनके हितों को नुकसान पहुंचे।

स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न

जनगणना विकास की आधारशिला, सर्वोच्च प्राथमिकता से करें कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर की अध्यक्षता में जनगणना 2027 संबंधी गतिविधियों के सफल संचालन एवं सतत पर्यवेक्षण हेतु गठित जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में जनगणना कार्य की तैयारियों, प्रशिक्षण, डिजिटल प्रक्रिया तथा समय-सीमा आधारित क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई कलेक्टर ने जनगणना कार्य को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक बताते हुए सभी विभागों को गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है जिसके आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार एवं कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है अतः प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ करना होगा। कलेक्टर ने जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देशों एवं विहित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सभी कार्यवाहियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने विशेष रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने तथा प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करने पर जोर दिया साथ ही आमजन तक जनगणना से संबंधित सभी जानकारियां समय पर और प्रभावी माध्यमों से साझा करने के निर्देश दिए गए बैठक में जिला प्रभारी अधिकारी सीधी, जनगणना कार्य निदेशालय भोपाल के सुमित मौर्य ने जनगणना 2027 की रूपरेखा, दिशा-निर्देशों एवं प्रक्रियाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संपादित की जाएगी यह दो चरणों में आयोजित होगीकृप्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य किया जाएगा द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या गणना की जाएगी जनगणना की संदर्भ तिथि 01 मार्च 2027 की रात्रि 00रू00 बजे निर्धारित की गई है उन्होंने यह भी बताया कि जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स एवं संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

रेडक्रॉस अस्पताल का भूमिपूजन, सांसद बोले- स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जमोड़ी सेगरान में रेडक्रॉस हॉस्पिटल भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे इस अस्पताल के निर्माण से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है कार्यक्रम का आयोजन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की सीधी शाखा द्वारा किया गया था समारोह की अध्यक्षता सोसाइटी के मध्य प्रदेश अध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. श्याम सिंह कुमरे ने की इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी मंजू सिंह सेंगर सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे सांसद डॉ. मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि क्षेत्र में बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार जनहित के लिए आवश्यक है उन्होंने रेडक्रॉस सोसाइटी की इस पहल की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि अस्पताल के निर्माण से क्षेत्रवासियों को समय पर उपचार और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी जानकारी के अनुसार, रेडक्रॉस हॉस्पिटल भवन का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपए है इस कार्य के लिए नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एरिया से स्वीकृति प्राप्त हुई है यह अस्पताल आपातकालीन चिकित्सा, प्राथमिक उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, रक्तदान और स्वास्थ्य परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा इससे मरीजों को दूर के शहरों में इलाज के लिए जाने की आवश्यकता कम होगी।उपचार में देरी घटेगी और स्वास्थ्य पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम होगा स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ होने से जनस्वास्थ्य में सुधारेगी।

डॉ राजेश मिश्रा ने किया रेडक्रॉस हॉस्पिटल भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन
स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र का होगा समग्र विकास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में सीधी जिले के जमोड़ी सेगरान में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सीधी शाखा द्वारा रेडक्रॉस हॉस्पिटल भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास का मूल आधार सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण और किफायती चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

रेडक्रॉस हॉस्पिटल का निर्माण इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा, जिससे जरूरतमंदों को जिला मुख्यालय या अन्य बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी सांसद ने कहा कि यह अस्पताल केवल एक भवन नहीं, बल्कि मानव सेवा और संवेदनशीलता का प्रतीक होगा यहां ब्लड बैंक की स्थापना, सस्ती दवाओं की उपलब्धता तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विशेष सेवाओं में निःशुल्क उपचार की व्यवस्था समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने में सहायक होगी सांसद ने कहा कि एनटीपीसी के सीएसआर सहयोग से इस परियोजना का क्रियान्वयन सामाजिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है जहां शासन, प्रशासन और उद्योग जगत मिलकर जनकल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं उन्होंने रेडक्रॉस सोसाइटी की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि संस्था वर्षों से आपदा प्रबंधन, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविरों एवं मानवीय सेवाओं के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है यह अस्पताल भविष्य में न केवल उपचार का केंद्र बनेगा बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सहयोग का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडियन रेड कॉस सोसाइटी मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. श्याम सिंह कुमरे ने की वरिष्ठ समाजसेवी मंजू सिंह सेंगर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही अस्पताल का निर्माण लोक निर्माण विभाग के माध्यम से किया जा रहा है, जिसकी टेंडर राशि 227.29 लाख रुपये तथा प्रशासनिक स्वीकृति 268.20 लाख रुपये है। निर्माण कार्य एनटीपीसी के सीएसआर मद से किया जा रहा है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अप्रचलित खातों की अदावाकृत राशि शासकीय कोष में जमा कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं हेतु पूर्व में जारी की गई वह राशि, जो अप्रचलित बैंक खातों में जमा है तथा जिसका आहरण विगत 10 वर्ष या उससे अधिक समय से नहीं किया गया है, उसे भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार अदावाकृत जमा राशियां के रूप में वर्गीकृत कर जमाकर्ता शिक्षण और जागरूकता निधि में अंतरित किया गया है उन्होंने बताया कि संबंधित राशि के दावा प्रस्तुत करने एवं आहरण हेतु रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा दावा प्रस्तुत करने से पूर्व संबंधित बैंक में खाते की के.वाय.सी. प्रक्रि या पूर्ण कराई जाए आहरण एवं संवितरण अधिकारी, जिनका खाता संबंधित बैंक में है, बैंक द्वारा दावा राशि प्राप्त होने के उपरांत चालान के माध्यम से मद 0075-101-1116 में राशि जमा कर उसकी जानकारी जिला कोषालय अधिकारी को उपलब्ध कराएं यह कार्यवाही तीन चरणों में की जाएगी प्रथम 50 खातों के दावे 25 फरवरी 2026 तक प्रस्तुत किए जाएं अगले 50 खाते (अधिकतम राशि आधारित 100 खाते तक) के दावे 05 मार्च 2026 तक प्रस्तुत किए जाएं। शेष खातों में अधिकतम राशि के आधार पर दावे 10 मार्च 2026 तक प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि राशि शासकीय कोष में जमा करने की संपूर्ण कार्यवाही 10 मार्च 2026 तक पूर्ण की जाए सभी बैंक के.वाय.सी. एवं राशि जमा होने की जानकारी प्रतिदिन जिला कोषालय अधिकारी को उपलब्ध कराएं उक्त समस्त दावों एवं जमा राशि की समीक्षा कार्यालय कलेक्टर द्वारा प्रति दिवस की जाएगी।

माफिया का हमला, 4 गिरफ्तार; रेंजर और डिप्टी रेंजर को बंधक बनाया डंडों से पीटा घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। वन परिक्षेत्र अमझोर के सीधी सर्किल अंतर्गत महादेवा क्षेत्र में सरई की अवैध कटाई रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात तस्करों ने हमला कर दिया माफियाओं ने रेंजर, डिप्टी रेंजर सहित बीट गार्डों को बंधक बनाकर लाठी-डंडों और पत्थरों से मारपीट की हमले में छह वनकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है इसमें एक महिला है अवैध कटाई दिखाने के बहाने टीम को जंगल ले गए : सूचना पर रेंजर तरुणेंद्र सिंह, डिप्टी रेंजर दुर्गा प्रसाद अहिरवार, बीट गार्ड नारायण यादव, राम सजीवन बैगा, पवन माझी और रविंद्र सिंह की टीम मौके पर पहुंची थी आरोपियों ने टीम को दूसरे स्थान पर अवैध कटाई दिखाने का बहाना बनाकर जंगल ले गए, जहां पहले से मौजूद लोगों ने उन्हें घेरकर बंधक बना लिया हमले में डिप्टी रेंजर के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई है।

दो दिन पहले भी इसी तरह का हमला: घायल वनकर्मियों ने छिपकर डायल-112 को सूचना दी इसके बाद ब्यौहारी व जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें मुक्त कराकर अस्पताल पहुंचाया जयसिंहनगर थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है दो दिन पहले सोहागपुर क्षेत्र में भी कोल माफियाओं ने टीम पर हमला किया था।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में न्यायाधीश गणों के साथ बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु शुक्रवार 20 फरवरी 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया कुटुम्ब न्यायाधीश दीपक शर्मा ने समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण को कहा कि लोक अदालत हेतु अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों की अद्यतन सूची तैयार कर समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी को उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसे प्रकरण जिनमें राजीनामा की संभावना है उन्हे प्राथमिकता के आधार पर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य ''विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं शीघ्र समाधान'' है।

उल्लास साक्षरता के तहत मझौली में साक्षरता अभियान को मिली गति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उल्लास साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला सिल्वर में सामाजिक चेतना केंद्र, मझौली विकासखंड में आजीविका विभाग के समन्वय से व्यापक साक्षरता अभियान संचालित किया जा रहा है सामाजिक चेतना केंद्र की अक्षर दीदी एवं अक्षर साथी के माध्यम से नगर, बसाहट, मोहल्लों एवं ग्रामों में असाक्षरों का पंजीयन कर साक्षरता की लहर को गति दी जा रही है साथ ही नियमित कक्षाओं का आयोजन कर नवपंजीकृत शिक्षार्थियों को अक्षर ज्ञान प्रदान किया जा रहा मझौली विकासखंड की आजीविका मिशन टीम युद्धस्तर पर कार्य कर रही है।

अक्षर साथी घर-घर पहुंचकर असाक्षरों का पंजीयन सुनिश्चित कर रहे हैं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में यह साक्षरता कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित हो रहा है तथा जिला स्तर की टीम भी पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है कार्यक्रम में आजीविका विभाग के जिला प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह, प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी पंकज पांडे, डीपीसी विनय मिश्रा का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। विकासखंड स्तर पर बीआरसी अयोध्या प्रसाद पटेल एवं उल्लास कार्यक्रम प्रभारी विकास तिवारी के नेतृत्व में समस्त आजीविका विभाग की टीम सक्रिय भूमिका निभा रही है मझौली ब्लॉक के प्रबंधक चंद्रकांत सिंह एवं भरत सोनी का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा विकासखंड सह समन्वयक विकास तिवारी द्वारा समूचे विकासखंड में अक्षर साथियों के सहयोग से साक्षरता कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने में अक्षर साथी माया सिंह, शकुंतला कुशवाहा, सीताबाई सिंह, प्रेमवती सिंह, संध्या तिवारी, मीरा गुप्ता एवं दुर्गावती केवट का विशेष योगदान रहा उन्होंने प्रारंभ में अपनी-अपनी दीदियों में 20-20 असाक्षरों का पंजीयन कर कक्षाएं प्रारंभ कीं तथा अन्य अक्षर साथियों को भी प्रेरित किया कि वे अपने साथ कम से कम 20-20 लोगों का पंजीयन कर उन्हें साक्षर बनाने का प्रयास करें उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से मझौली विकासखंड में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और साक्षर समाज के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सोन नदी पुल पर हाईवा पलटा, अमिलिया-बहरी के बीच बाइक को बचाने की कोशिश में हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सोन नदी पुल पर हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया सीधी में सोन नदी पुल पर हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया अमिलिया और बहरी के बीच सोन नदी पुल पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ रेत से लदा एक हाईवा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया यह दुर्घटना सुबह लगभग 7:00 बजे हुई, जिसमें वाहन चालक घायल हो गया। हालांकि, किसी अन्य जनहानि की सूचना नहीं है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा तेज गति से पुल पार कर रहा था अचानक सामने एक बाइक आ जाने से चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया इसी दौरान तेज ब्रेक लगाने से हाईवा संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे पलट गया राहगीर प्रशांत चौबे ने तत्काल अमिलिया थाना पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के इस हिस्से पर दृश्यता साफ थी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में युवाओं को दी गई उद्यमिता की प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार फरवरी माह के तृतीय सप्ताह का कार्यक्रम 20 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्टार्टअप की भावना विकसित करने तथा उनके स्किल डेवलपमेंट को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित रहा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में पुष्पराज सिंह परिहार अनुभवी इंडस्ट्री एक्सपर्ट एवं उद्यमिता लीडर तथा जितेन्द्र शर्मा उद्यमी उपस्थित रहे कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में तथा प्रो. राकेश कुमार प्रजापति, सहायक नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर के संयोजकत्व में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ तत्पश्चात प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह द्वारा साल-श्रीफल एवं माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया डॉ. राकेश कुमार प्रजापति, नोडल अधिकारी इन्क्यूबेशन सेंटर ने सेंटर के उद्देश्यों एवं अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए अब तक आयोजित स्टार्टअप संबंधी गतिविधियों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की मुख्य अतिथि पुष्पराज सिंह परिहार ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया उन्होंने कहा कि असफलता सफलता की सीढ़ी है और उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सच्चे उद्यमी की पहचान है सफल उद्यमियों की प्रेरक कहानियाँ साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों में नवाचार, आत्मविश्वास और जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर बल दिया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. के.एस. नेताम, डॉ. अरुणा सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. भोला सिंह कुशराम, डॉ. दिलीप कुमार सोनी, डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन, डॉ. विनोद कुमार साकेत, डॉ. गंगा बैरागी, डॉ. अंकिता सोनी, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. रामानुज पटेल, डॉ. अरशद अयूब अंसारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/891/राजस्व/न.पा.नि./2026 **रीवा, दिनांक 20.02.2026**

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पत्ति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नहीं की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण ग्रहिता	नामांतरण का आधार
1.	552	16/ 847 उर्रहट, अमहिया रोड गोयल मार्केट, जिला - रीवा (म.प्र.)	डॉ. देवेश सारस्वत पिता श्री विनोद कुमार सारस्वत	श्री मयंक प्रकाश गोयल पिता स्व. श्री विजय अग्रवाल	क्रय-विक्रय
2.	579	27/ 09 धोबिया टंकी, जिला- रीवा (म.प्र.)	श्री अरूण दीक्षित पिता श्री जनार्दन दीक्षित	श्री रवि अग्रवाल पिता श्री कमला प्रसाद अग्रवाल	क्रय-विक्रय
3.	566	31/ 12 तरहटी, जिला- रीवा (म.प्र.)	श्री गोविन्दराम पिता श्री मूलचन्द्र	श्रीमती उमा कचेर पति श्री अशोक कुमार कचेर	क्रय-विक्रय
4.	453	38/ 37 तरहटी, जिला- रीवा (म.प्र.)	श्री रितेश कुमार सोनी पिता श्री जय कुमार सोनी	श्रीमती कोमल बजाज पति श्री शंकर बजाज	क्रय-विक्रय

उपायुक्त (राजस्व) हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

मुफ्त की महंगी कीमत

संपादकीय

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है।

निस्संदेह, देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत तार्किक प्रश्न पूछा है कि राज्य मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय रोजगार सृजन और कौशल विकास के लिये बजट प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करते? इसमें दो राय नहीं कि रोजगार के नये अवसर पैदा करना जन साधारण के सशक्तीकरण का एक स्थायी रूप है। जो लोगों को स्वावलंबी बनाता है। वहीं दूसरी ओर वोटरों को लुभाने के लिये सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा लगातार जारी की जा रही मुफ्त की योजनाएं लोगों को अकर्मण्य बना देती हैं।

साहित्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता : एक संतुलित भविष्य की खोज!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत ने पिछले 2 वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर दो सौ अरब रुपये खर्च किये है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी महाशक्ति बनने जा रहा है,कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन्नत मार्ग पर बढ़ने के लिए कारगर तो है लेकिन इस पर नियंत्रण भी जरूरी है।वास्तव में 21वीं सदी में मानव सभ्यता एक अदभुत परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ओपन एआई जैसी संस्थाओं द्वारा विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, स्वास्थ्य,साहित्य, पत्रकारिता, उद्योग, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किये हैं। दूसरी ओर, अध्यात्म मानव जीवन की आंतरिक चेतना, नैतिक मूल्यों और आत्मबोध का आधार भी एआई बन सकती है।

प्रश्न यह नहीं है कि साहित्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में कौन श्रेष्ठ है, बल्कि यह है कि दोनों का संतुलित समन्वय मानवता को किस दिशा में ले जा सकता है।

साहित्य अर्थात अंतरात्मा के भाव की अभिव्यक्ति, जो शब्द संयोजन के तहत रची जाती है।

यह व्यक्ति को स्वयं की पहचान, अपने विचारों की शुद्धता और जीवन के उद्देश्य की स्पष्टता प्रदान करती है।जैसे अध्यात्म सिखाता है:

मैं केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतन आत्मा हूँ।

प्रत्येक कर्म का प्रभाव होता है।

नैतिकता, करुणा और सत्य जीवन की आधारशिला हैं।अध्यात्म बाहरी प्रगति से अधिक आंतरिक उन्नति पर बल देता है। यह मन को स्थिर, शांत और सकारात्मक बनाता है।ठीक उसी प्रकार अंतर्बोध से उपजे विचार साहित्य का निर्माण करते है।जिसके बेहतर परिणामो के लिए एआई का उपयोग सार्थक हो सकता है।वास्तव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है जो मशीनों को सीखने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने की क्षमता देती है।

भविष्य में यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आध्यात्मिक मूल्यों के साथ साहित्य से जोड़ा जाए, तो एक संतुलित समाज का निर्माण संभव है।

साहित्य में एआई का महत्व रचनात्मकता को बढ़ाने, लेखन प्रक्रिया को तेज करने और जटिल डेटा का विश्लेषण करने में एक क्रांतिकारी सहायक के रूप में उभर रहा है। यह लेखकों को कथानक, संवाद और विचारों को विकसित करने में मदद करता है। इसके अलावा, एआई का उपयोग पुराने साहित्य के अनुवाद, संरक्षण और विस्तृत साहित्यिक समीक्षा में हो रहा है। एआई के प्रभाव स्वरूप भाषा और साहित्य में बदलाव द्वारा साहित्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है

एआई के द्वारा हम नए विचारों का सृजन कर सकते हैं, और कहानी,गद्य व पद्य के विभिन्न पहलुओं को बेहतर बना सकते हैं। एआई पुराने और दुर्लभ ग्रंथों का आधुनिक भाषाओं में अनुवाद कर सकता है, जिससे उनकी पहुंच वैश्विक स्तर तक होती है।

वही साहित्यिक प्रवृत्तियों की भविष्यवाणी करने, शैली का विश्लेषण करने और पात्रों के विकास को समझने में भी मदद मिलती हैं।

साहित्य समीक्षा प्रक्रिया में इन एआई-संचालित उपकरणों को एकीकृत करके, शोधकर्ता अपनी दक्षता बढ़ा सकते हैं, जिससे मैन्युअल कार्यों से जुड़े संज्ञानात्मक भार कम हो जायेगा और अपने काम के व्याख्यात्मक और सैद्धांतिक विकास पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। जिससे साहित्य समीक्षा अधिक सुगम और ज्ञानवर्धक बन जाएगी

हाल के वर्षों में, अकादमिक अनुसंधान में साहित्य समीक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। विशेष रूप से, एआई उपकरणों ने विद्वानों और छात्रों द्वारा विभिन्न स्रोतों की खोज के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाया गया है, जिससे खोज शब्दों को सटीक बनाने और पूर्ण-पाठ लेखों को आसानी से जांचने की अत्याधुनिक क्षमताएं उपलब्ध हुई हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण जैसे उपकरण प्रासंगिक साहित्य खोजने की प्रक्रिया को काफी सरल बना सकते हैं। ये उपकरण व्यापक डेटाबेस और डिजिटल पुस्तकालयों में खोज करके विशिष्ट कीवर्ड और विषयों से मेल खाने वाले लेख, पुस्तकें और शोधपत्र ढूंढ सकते हैं।

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा

> **21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने, भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के क्रम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्कृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है।**

सुनील कुमार महला

(21 फरवरी अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विशेष आलेख)

नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि- यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है। बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरुआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरुआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम क्रमशः सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं(वर्ष 2025 की थीम) तथा बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरुआती शिक्षा(विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्वितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं,यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43% लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने असुरक्षित या लुप्तप्राय माना है। यह चिंताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में अंग्रेजी जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो, तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुई मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि,भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं,भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। देश की भाषाई विविधता उसकी सांस्कृतिक पहचान का आधार है, इसलिए सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य कर रही हैं।भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। नीति के अनुसार कक्षा 5 (और संभव हो तो कक्षा 8) तक बच्चों को मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने की सिफारिश की गई है, जिससे भाषाई पहचान मजबूत हो और सीखने की क्षमता बढ़े।भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल पहल भी की गई है।इस क्रम में भाषा संसाधन पोर्टल, ई-लाइब्रेरी और अनुवाद प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तथा अन्य संस्थाएँ स्थानीय भाषाओं में ई-सामग्री विकसित कर रही हैं। हमारे देश में भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए संस्थान भी हैं। मसलन,केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारत में भाषाओं के संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण और दस्तावेज़ीकरण का प्रमुख केंद्र है। यह लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर भी कार्य करता है।शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण(संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया आदि) के लिए अध्ययन और शोध के लिए विशेष विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जिससे उनकी परंपरा सुरक्षित रहे। इतना ही नहीं,सरकार ने राष्ट्रीय अनुवाद मिशन और भाषिणी जैसी परियोजनाएँ भी शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाना और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनका उपयोग बढ़ाना है।भाषिणी पहल के माध्यम से एआई आधारित भाषा उपकरण विकसित किए जा रहे हैं। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है, जिससे उन्हें प्रशासनिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संरक्षण मिलता है। यह भाषाई विविधता की रक्षा का एक मजबूत आधार है। आज भाषाओं को सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।लोकभाषाओं और बोलियों के उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, साहित्य सर्जन पुरस्कारों की भी व्यवस्था हमारे यहां है। अंत में यही कहूंगा कि मातृभाषा का संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और सामाजिक कर्तव्य भी है। अपनी जड़ों को बचाए रखने के लिए हम अपने दैनिक जीवन में कई छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम उठा सकते हैं। मातृभाषा संरक्षण के लिए हमें यह चाहिए कि हम व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास करें। घर-परिवार में संवाद मातृभाषा में करें।अपनी भाषा की कहानियाँ, कविताएँ और लोकगीत पढ़ें और सुनें। बच्चों को उनकी मातृभाषा में लोरी और कहानियाँ सुनाने से भाषा के प्रति उनका भावनात्मक लगाव बढ़ता है। मातृभाषा में बोलने, लिखने, पढ़ने, सुनने में गर्व की अनुभूति महसूस करें, हीनभावना नहीं।सोशल मीडिया, ब्लॉग और विकिपीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अपनी भाषा में सामग्री लिखें और साझा करें।अपनी भाषा के मूल शब्दों को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय शब्दावली का प्रयोग करें। इतना ही नहीं,स्थानीय त्योहारों, लोक कलाओं और सामुदायिक मिलन के कार्यक्रमों में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करें। इससे भाषा का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है।यूनेस्को के अनुसार, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पाने वाले बच्चों का मानसिक विकास अन्य बच्चों की तुलना में 30% अधिक प्रभावी होता है, इसलिए हम अपनी मातृभाषा को अधिकाधिक महत्व दें। मातृभाषा में अनुवाद कार्य,नई शिक्षा नीति जैसे कदमों का समर्थन करना (जो प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देते हैं) तथा अपनी भाषा(मातृभाषा) की पत्रिकाओं और समाचार पत्रों को सब्सक्राइब करें और उनमें योगदान दें।संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक विकास की नींव है। आज के दौर में यूनेस्को के अनुसार विश्व की लगभग 43% भाषाएँ विलुप्ति की कगार पर हैं, जो एक गंभीर चेतावनी है। अपनी भाषा को बचाने के लिए यह अनिवार्य है कि हम इसे हीन भावना के बजाय गर्व के साथ अपनाएँ, घर में बच्चों से इसी में संवाद करें और डिजिटल माध्यमों पर अपनी भाषा का उपयोग बढ़ाएँ। निष्कर्षतः, आधुनिक प्रगति के लिए दूसरी भाषाएँ सीखना ज़रूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा को जीवित रखना अपनी जड़ों और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के समान है। (सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड)

भाषाई विविधता का भविष्य: युवाओं की भूमिका निर्णायक

> **मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा।**

योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाता जाता है। यह दिवस भाषाओं का जश्न मनाने का समय है, साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय', जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस 'भाषाएं मायने रखती हैं: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह' विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः 'बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है' तथा 'बहुभाषी शिक्षा: शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थी। इससे पहले 2022 की थीम 'बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग: चुनौतियाँ और अवसर' थी जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी 'शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन'। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम द्वारा दिया गया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढ़ाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में शहीद हुए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से नब्बे फीसद भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 फीसद से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब चालीस फीसदी लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है।

लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में 'लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण' योजना भी चलाई जा रही है। यूजीसी देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा 'लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना' योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त दरकार है।

(लेखक 36 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कुछ चर्चित हिन्दी भाषी पुस्तकों के लेखक हैं)

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दुर्ग, (मध्य प्रदेश)। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि सभी शासकीय कार्यालयों में आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों को सुबह 10:00 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य है इसके अलावा, प्रत्येक मंगलवार और बुधवार को जिला अधिकारी को अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए उन्होंने यह भी कहा कि सभी शासकीय नस्तियों का संधारण और निराकरण केवल ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाएगा जिन कार्यालयों में ई-ऑफिस की ऑनबोर्डिंग बाकी है, उन्हें शीघ्र इस प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं इसके साथ ही, राष्ट्रगीत के आधिकारिक संस्करण के गायन, शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल का पालन और मंचीय व्यवस्था में मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं कलेक्टर ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन और डीबीटी योजनाओं में आधार आधारित ई-केवाईसी को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे इसके अलावा, सभी शालाओं में बालिका शौचालय 8 मार्च 2026 तक क्रियाशील करने के आदेश दिए गए मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम चिरमिरी के लिए किए गए घोषणाओं के संदर्भ में भी कलेक्टर ने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इसमें अग्निशमन वाहन, बकरी संवर्धन केंद्र, पुलिस चौकी, और पर्यटन क्षेत्र के रूप में चिरमिरी को विकसित करने संबंधी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं।

अंबिकापुर-बनारस स्टेट हाईवे पर मनमानी: हाईवे जाम कर युवकों ने मनाया बर्थडे

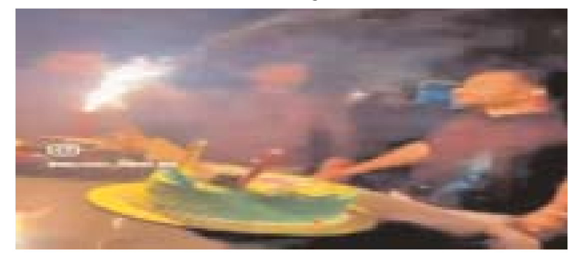

मीडिया ऑडीटर ,अंबिकापुर (निप्र)। सरगुजा और सूरजपुर जिले की सीमा पर स्थित अंबिकापुर-बनारस स्टेट हाईवे पर कुछ युवकों ने जन्मदिन मनाने सड़क जाम कर आतिशबाजी की और केक भी काटा इस दौरान आधे घंटे तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा और दोनों ओर एक किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया जाम में एम्बुलेंस सहित कई वाहन फंसे रहे घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है यह घटना जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र की है 16 फरवरी रात अंबिकापुर के कुछ युवक सरगुजा-सूरजपुर सीमा पर स्थित चठिरमा क्षेत्र के एक ढाबे में जन्मदिन पार्टी मनाने पहुंचे थे ढाबे में जश्न मनाने के बाद युवक स्टेट हाईवे पर पहुंच गए और चारपहिया वाहनों को सड़क के बीच खड़ा कर दोनों ओर से यातायात रोक दिया इसके बाद युवकों ने जमकर आतिशबाजी की और कार की बोनट पर केक काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया इस दौरान हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया वायरल वीडियो में एक एम्बुलेंस भी जाम में फंसी हुई दिखाई दे रही है हालांकि एम्बुलेंस में मरीज मौजूद था या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है करीब आधे घंटे बाद सेलिब्रेशन समाप्त होने पर यातायात बहाल हुआ।

जेल में बंद गांजा तस्कर पति...पत्नी संभाल रही थी कारोबार गांजा सप्लायर समेत महिला गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में महिला और उसके सप्लायर को गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 700 ग्राम गांजा जब्त किया गया। पति के जेल जाने के बाद पत्नी गांजा बेच रही थी मामला कोनी थाना क्षेत्र का है वहीं, शहर के तारबाहर थाना पुलिस ने ओडिशा से गांजा लाकर शहर में बेचने की फिराक में घूम रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है आरोपी के कब्जे से एक आईफोन और ट्रॉली बैग में रखे 10 किलो 594 ग्राम गांजा बरामद किया गया है दरअसल, एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान चल रहा है ऐसे में कोनी थाना क्षेत्र के बिरकोना में कुछ दिन पहले अदीप उर्फ टेंगना को गांजा के साथ पकड़ा गया था उसे रिमांड पर जेल भेजा गया पति के जेल जाने के बाद उसकी पत्नी प्रमिला वर्मा ने अवैध कारोबार संभाल लिया और गांजा बेचने लगी पुलिस को सूचना मिली कि प्रमिला वर्मा अपने घर में गांजा रखे हुए है बुधवार को पुलिस टीम ने उसके घर दबिश दी उस समय वह घर की सीढ़ियों पर बैठकर गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया तैयार कर रही थी घर की तलाशी में 3 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने महिला को मौके से गिरफ्तार कर लिया पूछताछ में महिला ने बताया कि गांजा सीपत निवासी बलराम यादव से मिला था जानकारी मिलते ही पुलिस ने बलराम को भी गिरफ्तार कर लिया बलराम ने बताया कि उसने 4 किलो गांजा 10 हजार रुपए में बेचने की बात तय की थी दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है तारबाहर पुलिस ने ओडिशा से गांजा लाकर शहर में बेचने की फिराक में घूम रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है पुलिस को सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन के पास रेलवे अंग्रेजी स्कूल वाली गली में एक संदिग्ध युवक ट्रॉली बैग के साथ खड़ा है उसके पास बड़ी मात्रा में गांजा है और वह ग्राहक की तलाश कर रहा है पुलिस टीम सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया पूछताछ में युवक ने अपना नाम हिमांशु यादव (20 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 24, रेलवे कॉलोनी, झाड़सुगुड़ा (ओडिशा) बताया

10 किलो से अधिक गांजा बरामदः ट्रॉली बैग की तलाशी लेने पर उसमें 10 किलो 594 ग्राम गांजा मिला आरोपी ने स्वीकार किया कि वह ओडिशा से गांजा लाकर बिलासपुर में स्थानीय तस्करों और युवाओं को ऊंचे दाम पर बेचने की तैयारी में था एसएसपी रजनेश सिंह ने जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

42 हेक्टेयर कृषि भूमि से पुजारी का स्वामित्व समाप्त 200 साल पुराने मंदिर पर सरकार का अधिकार

मीडिया ऑडीटर,ग्वालियर (निप्र)। हाईकोर्ट ने अशोकनगर स्थित 200 साल पुराने गणेशजी मंदिर की कृषि भूमि पर राज्य सरकार का अधिकार घोषित कर दिया है साल 2006 से लंबित एक महत्वपूर्ण द्वितीय अपील में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने निचली अदालतों के आदेश पलटते हुए मंदिर की पूरी जमीन को माफी औकाफ विभाग की संपत्ति माना और पुजारी के निजी स्वामित्व के दावे को खारिज कर दिया राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि मंदिर की संपत्ति देवता की होती है और पुजारी केवल उसका सेवक होता है भूमि रिकॉर्ड में भी यह संपत्ति माफी औकाफ विभाग के नाम दर्ज है सरकार ने स्पष्ट किया कि पुजारी का कार्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित है यदि कोई पुजारी मंदिर की संपत्ति को अपनी निजी संपत्ति बताता है, तो यह अनुचित है सरकार करेगी मंदिर का प्रबंधन और पुजारी की नियुक्ति न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मंदिर और उससे जुड़ी संपत्ति राज्य सरकार में निहित रहेगी मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी और पुजारी की नियुक्ति का अधिकार भी सरकार के पास होगा यह मामला कुल 42 हेक्टेयर कृषि भूमि से संबंधित है, जो तीन गांवों - साडीता (35.003 हेक्टेयर), नागौदखेड़ी (4.922 हेक्टेयर) और मिस्टील (2.790 हेक्टेयर) में स्थित है पुजारी की ओर से दावा किया गया था कि मंदिर और उसकी जमीन उनके पूर्वजों को लगभग 200 वर्ष पूर्व उत्तराधिकार में मिली थी इसलिए यह एक निजी मंदिर है इसी आधार पर निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि देवता एक कानूनी इकाई (लीगल पर्सन) हैं और संपत्ति उन्हीं की होती है।

ग्रामीणों ने चोर को रस्सी से बांधकर पीटा: लोहे की चद्दर काटकर दुकान में घुसे थे सभी

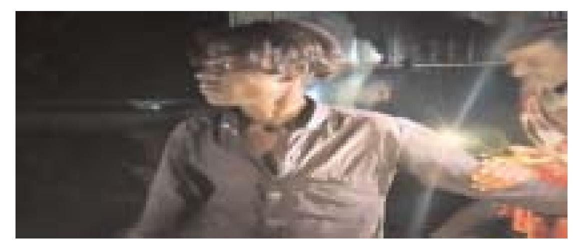

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। इंदार थाना क्षेत्र के टोरिया गांव में गुरुवार रात चोरी के प्रयास के दौरान एक युवक को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए पुलिस के मुताबिक, तीन युवक बाइक पर सवार होकर गांव पहुंचे थे उन्होंने आकाश यादव की दुकान के ताले मास्टर चाबियों से खोलने की कोशिश की ताले नहीं खुलने पर आरोपियों ने लोहे की चद्दर काटकर दुकान के अंदर प्रवेश किया दुकान के पास रहने वाले एक पड़ोसी को संदिग्ध आवाजें सुनाई दीं उसने तुरंत दुकान मालिक और अन्य ग्रामीणों को सूचना दी ग्रामीणों के पहुंचते ही दो आरोपी बाइक से भाग निकले, जबकि एक युवक को पकड़ लिया गया रस्सी से बांधकर की पिटाई ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक को रस्सी से बांध दिया और उसकी पिटाई कर दी तलाशी लेने पर उसके पास से ताले खोलने वाली दर्जनों चाबियां बरामद हुई डायल 112 टीम आरोपी को अपने साथ ले गई युवक ने अपनी पहचान चंदेरी थाना क्षेत्र निवासी मुकेश आदिवासी के रूप में बताई है पुलिस फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

शिवपुरी में खून की उल्टियां करता मिला भाई: बहन बोली- किसी ने शराब में जहर मिलाकर पिलाया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र की करौंदी कॉलोनी में गुरुवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई घर से निकलने के महज 15 मिनट बाद युवक गंभीर हालत में मिला उसे खून की उल्टियां हो रही थी जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक की बहन राखी पुरी के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 8:30 बजे उसका भाई अर्जुन सिंह घर से निकला था लगभग 15 मिनट बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने घर पहुंचकर अर्जुन की तबीयत खराब होने की सूचना दी जब परिजन मौके पर पहुंचे तो वह एक क्लिनिक पर खून की उल्टियां करता मिला परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार में शोक और आक्रोश का माहौल है जहर देने का आरोप मृतक की बहन ने आरोप लगाया है कि उसके भाई की हत्या शराब में जहर मिलाकर की गई है उनका कहना है कि कुछ समय पहले पड़ोसियों ने उनके भाइयों को जान से मारने की धमकी दी थी घर से निकलने के कुछ ही समय बाद तबीयत बिगड़ना संदेह पैदा करता है फिजिकल थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

रिटायर्ड फौजी ने गोली मारी.. सिर पर राइफल सटाकर दबाया ट्रिगरः चेहरा-सिर का हिस्सा उड़ा

मीडिया ऑडीटर,ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में एक रिटायर्ड फौजी ने शराब के नशे में अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली बिस्तर पर बैठकर लाइसेंसी राइफल की नली सिर के पास सटाकर ट्रिगर दबा दिया गोली लगते ही सिर और चेहरे का ऊपर का हिस्सा उड़ गया मांस के चीथड़े दीवार और छत पर चिपके मिले एक आंख 3 फीट दूर मिली है जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम श्याम बिहारी भदौरिया (50) है जो शताब्दीपुरम के रहने वाले थे वे मूल रूप से भिंड जिले के तुकेड़ा, मालनपुर के निवासी थे घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है मामला महाराजपुरा थाना क्षेत्र का है परिजनों ने बताया कि गुरुवार रात खाना खाने के बाद वे अपने कमरे में सोने चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे रात करीब 1.30 से 2 बजे की घटना है देर रात श्याम बिहारी के कमरे से गोली चलने की आवाज आई इस दौरान आवाज सुनकर पत्नी और बच्चे कमरे में पहुंचे दरवाजा खोलते ही उन्होंने देखा कि श्याम बिहारी बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े थे उनके पास में .315 बोर की राइफल पड़ी थी। परिजन ने फौरन महाराजपुरा पुलिस को सूचना दी महाराजपुरा पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की घटना के बाद जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया फोरेंसिक टीम ने बिस्तर और दीवार, छत से सबूत जुटाए हैं साथ ही राइफल से फिंगरप्रिंट लिए हैं स्पॉट से 3 फीट दूर उसकी आंख पड़ी मिली है पुलिस ने परिजनों से वारदात के बारे में पूछताछ की परिजनों ने बताया कि श्याम बिहारी सुबह से ही शराब पी रहे थे रात में नशे की हालत में अपने कमरे में सो गए थे इसलिए किसी ने उन्हें परेशान नहीं किया उन्होंने आत्महत्या क्यों कर ली हमें नहीं पता आस-पास के लोगों ने पुलिस को बताया कि फौजी चार साल पहले रिटायर हो गया था उस समय मिले पैसों को उसने कुछ जमीन में इन्वेस्ट किया था जमीन की कीमत ज्यादा नहीं बढ़ी। इन्वेस्टमेंट की वजह से तंगी हालत हो गई थी घर में टेंशन और परेशानी थी इसी वजह से आत्महत्या की होगी।

डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी: बैंक खाते में ट्रांसफर हुए ठगी के पैसे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा थाना क्षेत्र में साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन निवेश के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत की गई जांच में खुलासा हुआ है कि करैरा के एक युवक का बैंक खाता ठगी की रकम ट्रांसफर और निकासी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर 4.65 लाख की ठगी: समन्वय पोर्टल पर दर्ज शिकायत क्रमांक 31601250002718 में बेंगलुरु (कर्नाटक) की एक महिला ने बताया कि उन्हें ऑनलाइन निवेश का लालच देकर 4 लाख 65 हजार रुपये ठग लिए गए जांच में पता चला कि ठगी की रकम का एक हिस्सा, 50 हजार रुपये, 6 दिसंबर 2024 को करैरा की स्टेट बैंक शाखा (गांधी रोड) के एक खाते में ट्रांसफर किया गया इस लेन-देन का यूटीआर नंबर 434189930641 है बैंक स्टेटमेंट से यह भी सामने आया कि उसी दिन झांसी के खाती बाबा चौराहा स्थित एटीएम से नगद रकम निकाली गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लोगों से अपील कर रही है कि बिना जांच-पड़ताल किए किसी भी ऑनलाइन निवेश योजना में पैसा न लगाएं दूसरी शिकायत क्रमांक 33112240163133 उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के रहने वाले मंगेश प्रजापति ने दर्ज कराई उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 11,500 रुपये ठग लिए।जांच में पता चला कि 29 दिसंबर 2024 को उनके पैसे दो हिस्सों में एक बैंक खाते में जमा कराए गए - 8,000 रुपये और 3,500 रुपये इन लेन-देन के यूटीआर नंबर 364258648056 और 842718843581 हैं उसी दिन खाते से 10,000 रुपये एटीएम के जरिए निकाल लिए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लोगों से अपील कर रही है कि किसी भी कॉल या मैसेज से डरकर तुरंत पैसे ट्रांसफर न करें।

10 प्रतिशत कमीशन पर दिया था एटीएमः खाताधारक ने योगेश ने बताया कि झांसी के रहने वाले दीपक प्रजापति ने उससे संपर्क किया था दीपक ने कहा था कि उसके बैंक खाते में कुछ पैसे डाले जाएंगे और बदले में उसे 10 प्रतिशत कमीशन मिलेगा इसके बाद योगेश ने अपना एटीएम कार्ड दीपक को दे दिया खाते में जो भी रकम आती थी, उसे दीपक ही निकालता था और योगेश को कमीशन के तौर पर नकद पैसे दे देता था पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों ने मिलकर पहचान छिपाकर ऑनलाइन ठगी की लोगों के पैसे धोखे से उनके खाते में डलवाए गए और फिर निकाल लिए गए इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2), 316(2) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) व 66(डी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है सुनारी चौकी प्रभारी ने पूरी जांच रिपोर्ट थाना प्रभारी करैरा को सौंप दी है पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है और लोगों से अपील कर रही है कि किसी भी लालच में आकर अपना बैंक खाता या एटीएम कार्ड किसी को न दें।

एसटीआर में गिद्धों की गिनती शुरू:तीन दिन चलेगा सर्वे, 186 बीटों में 500 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी जुटे

मीडिया ऑडीटर नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश में शीतकालीन गिद्ध गणना की शुरुआत गुरुवार, 20 फरवरी से हो गई है यह गणना वर्ष 2025-26 के लिए की जा रही है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी वर्तमान स्थिति का आकलन करना है गणना का कार्य लगातार तीन दिन तक प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक किया जाएगा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के पचमढ़ी, मटकुली, पिपरिया, मढ़ई, बागरा और चूरना सहित सभी 186 बीटों में गणना के लिए टीमें भेजी गई हैं इस कार्य में करीब 500 अधिकारी और कर्मचारी अलग-अलग दलों में जुटे हुए हैं गणना के दौरान पर्वतों की चोटियों और आश्रय स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को दूरबीन की मदद से देखा जा रहा है टीम केवल बैठे हुए गिद्धों की ही गणना कर रही है साथ ही उनकी प्रजाति की पहचान भी की जा रही है गणना के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि गिद्धों के घोंसले किस प्रकार के हैं और उनमें बच्चे मौजूद हैं या नहीं इस पूरे सर्वे के आधार पर विस्तृत डेटा तैयार किया जा रहा है बताया गया कि एसटीआर में पूर्व में किए गए सर्वे के दौरान गिद्ध आश्रय स्थलों की पहचान की गई थी, जहां गिद्धों की संख्या अधिक पाई गई थी उन्हीं चिन्हित स्थानों के आधार पर इस बार गणना का कार्य किया जा रहा है एसटीआर के सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी आशीष खोपरागढ़े ने बताया कि गिद्ध गणना तीन दिन तक चलेगी इसके बाद एसटीआर में पाए गए गिद्धों की संख्या जारी की जाएगी और पिछले वर्ष के आंकड़ों से तुलना की जाएगी।

सिवनी मालवा में सूने मकान से नगदी-जेवरात चोरी

पारिवारिक कार्यक्रम से लौटे तो खुला मिला घर; पीछे की खिड़की से घुसे चोर

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा। सिवनी मालवा नगर के हरदा-होशंगाबाद मुख्य मार्ग पर स्थित तवा कॉलोनी के पास एक सूने मकान में चोरी की वारदात हुई है। अज्ञात चोरों ने घर से लगभग 50 हजार रुपए नगद और सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना का खुलासा तब हुआ जब परिजन एक पारिवारिक कार्यक्रम से वापस लौटे। उन्होंने देखा कि घर के पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। इसके बाद उन्होंने तत्काल सिवनी मालवा थाना को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए : सूचना मिलते ही शुक्रवार सुबह 11 बजे एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी बुलाया, जिन्होंने घर के भीतर और आसपास से साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वे शहर से बाहर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत होता है कि चोर पीछे की खिड़की के रास्ते घर में दाखिल हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

सिवनी के केवलारी में पालतू कुत्तों ने युवक को कटा

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के केवलारी में पालतू कुत्तों के हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं। हाल ही में केवलारी विकासखंड मुख्यालय में दो पालतू कुत्तों ने एक युवक पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को अस्पताल में प्राथमिक उपचार और एंटी-रेबीज इंजेक्शन दिया गया। ग्राम सरेखा निवासी अजय पांडे ने बताया कि वे सुबह अपने घर से खेत की ओर जा रहे थे, तभी मोहल्ले के दो पालतू कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। घटना के समय कुत्तों के मालिक मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने उन्हें नियंत्रित करने में लापरवाही बरती। हमले में अजय पांडे बुरी तरह घायल हो गए। पीड़ित अजय पांडे ने केवलारी थाने में दोनों कुत्ता मालिकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पालतू कुत्तों के हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले सिवनी शहर में भी दो दर्जन से अधिक लोग कुत्तों के हमले का शिकार हुए थे। कुछ माह पूर्व कुत्ते के काटने से एक बालिका की मौत भी हो चुकी है। इन घटनाओं के बावजूद कई पालतू कुत्ता मालिक सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे हैं।

जांच के बाद लेंगे एक्शन: केवलारी थाना प्रभारी प्रीतम सिंह तिलगाम ने पुष्टि की कि दो पालतू कुत्तों के एक व्यक्ति को काटे जाने की शिकायत मिली है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

आवारा कुत्तों ने मोर को किया घायल :वन विभाग ने रेस्क्यू कर इलाज कराया, हालत स्थिर

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना के बसाहरी गांव में आवारा कुत्तों के हमले से एक मोर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मोर को रेस्क्यू कर इलाज के लिए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। यह घटना बसाहरी गांव में हुई, जहां कुछ आवारा कुत्तों ने मोर पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने मोर को कुत्तों से बचाया, लेकिन तब तक वह घायल हो चुका था। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को इसकी जानकारी दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मोर को रेस्क्यू करने के लिए कड़ी मशक्कत की। टीम ने एक बड़ी टोकरी और बोरी की मदद से मोर को काबू किया। घायल मोर को फिलहाल बीना स्थित वन विभाग के डिपो में सुरक्षित रखा गया है। पशु चिकित्सक ने उसका इलाज किया। मोर के पैर में चोट है और उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

ग्रामीणों ने दी वन विभाग को सूचना : गांव के उपसरपंच सुनील तिवारी ने बताया कि घायल मोर की सूचना मिलने पर वन विभाग को सूचित किया गया था। बसाहरी गांव और आसपास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय पक्षी मोर बड़ी संख्या में पाए जाते हैं और वे अक्सर घरों के ऊपर स्वतंत्र रूप से विचरण करते दिखते हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मोर के पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा।

खंडवा में इंदौर की ब्यूटीशियन से रेप,बस ड्राइवर से हुआ प्यार

शादी का झांसा देकर कई बार किया दुष्कर्म, आरोपी शादीशुदा निकला

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में ऑनलाइन बुकिंग से पार्लर का काम करने वाली एक महिला के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और बाद में जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला ने गुरुवार शाम को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर देर रात आरोपी बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया।

बस में हुई थी जान-पहचान : पुलिस के अनुसार पीड़िता ने छैगांवमाखन थाना में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि उसका अपने पति के साथ तलाक का मामला इंदौर कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट के निर्देशानुसार अलग रहने के दौरान वह इंदौर से बस द्वारा खंडवा आ रही थी। इसी यात्रा में उसकी मुलाकात बस ड्राइवर आसिफ मंसूरी से हुई। बातचीत के बाद आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया और दोनों के बीच संपर्क बढ़ता गया।

महिला ने 5-6 बार दुष्कर्म होना बताया : शिकायत में महिला ने बताया कि, इंदौर कोर्ट से तलाक के मामले में आदेश होने के बाद वह खंडवा में अपने मायके लौट रही थी। तभी बस ड्राइवर आसिफ जो कि मुझे पहले से जानता था। वह दूर का रिश्तेदार हैं। उसने दोस्ती बनाई और फिर शादी का झांसा दिया। इस तरह उसने कभी बस को रास्ते में रोककर छैगांवदेवी के पास और कभी प्रणाम सिटी स्थित मेरे किराये के मकान में आकर शारीरिक संबंध बनाए।

पहली बार 1 अप्रैल 2025 को दुष्कर्म किया, फिर यह सिलसिला 26 दिसंबर 2025 तक चलता रहा। अब आरोपी शादी से मुकर गया। मुझे पता चला कि वो शादीशुदा हैं। उसने मेरे साथ धोखा किया, मैंने शादी की जिद की तो कहने लगा कि जान से खत्म कर दूंगा। इसके बाद मैं वापस अपने पति के पास इंदौर चली गई।

हिंदू पति बोला- 8 साल पहले लव-मैरिज की : महिला के हिंदू पति का कहना है कि, हम लोग खंडवा में एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते थे। वह मुस्लिम थी, मैं हिंदू इसलिए परिवार हमारे रिश्ते के खिलाफ था। हमने खंडवा छोड़ दिया और 2018 में लव मैरिज कर ली। शादी के बाद हमारी दो संतानें हैं। बड़ी बेटी की उम्र 7 साल हैं। हमारे बीच मामूली बात पर मनमुटाव हो गया था।

पत्नी तलाक के लिए कोर्ट चली गई। कोर्ट के आदेश पर 6 महीने तक अलग रहे, लेकिन फिर एक हो गए। इसी दौरान इंदौर से पत्नी का खंडवा आना-जाना लगा रहता था। वह जिस बस से आती-जाती थी, उसके ड्राइवर ने पत्नी को शादी का झांसा दिया और उसके साथ गलत किया।

केस दर्ज, आरोपी जेल भेजा : पुलिस ने थाना छैगांवमाखन में अपराध क्रमांक 40/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (ब्न्हस) की धारा 69 और 351(3) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। आरोपी आसिफ पिता मंगतू मंसूरी निवासी ग्राम बलवाड़ा थाना पिपलोद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

ऑयल पेंट के डिब्बों में धमाका, देवास में छत पर एक साल से रखे थे

गैस बनने के कारण दबाव बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। देवास,एजेसी। देवास शहर के शालिनी रोड स्थित एक मकान की छत पर रखे पुराने ऑयल पेंट के डिब्बों में अचानक धमाका हो गया। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई और लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलते ही नाहर दरवाजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अमित सोलंकी ने घटनास्थल का मुआयना किया और जांच पड़ताल शुरू की। थाना प्रभारी सोलंकी ने बताया कि छत पर तीन से चार ऑयल पेंट के डिब्बे रखे हुए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन डिब्बों में संभवतः गैस बनने के कारण दबाव बढ़ गया, जिससे वे फट गए। पुलिस ने सभी डिब्बों को जब्त कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

सागर में रात में हुई हल्की बारिश, सुबह से छाए बादल

दिन का तापमान 5 डिग्री गिरा, ठंडी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। पश्चिम विक्षोभ और ट्रफ सिस्टम सक्रिय होने से सागर के मौसम का मिजाज बदला है। आसमान में बादल छाए हैं। हवाओं में ठंडक बनी हुई है। जिसके असर से दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। सागर में पिछले 24 घंटों से आसमान में बादलों का डेरा है। इस दौरान कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी और हल्की बारिश हुई है। बदले मौसम के असर से दिन के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं रात के समय ठंड का असर बढ़ गया है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम पारा 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

पारा लुढ़कने से ठंड बढ़ी: शुक्रवार सुबह से आसमान में घने काले बादल छाए हुए हैं। सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच शहर में बूंदाबांदी हुई। इससे पहले गुरुवार रात शहर में हल्की बारिश हुई है। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई। अचानक बदले मौसम से दिन में भी लोगों को ठंड का अहसास हो रहा है। रात में ठिठुरन बढ़ी है। मौसम में हुए बदलाव के असर से अस्पताल में सर्दी, खांसी और जुखाम के मरीजों की संख्या में भी बढ़ गई है।

इसलिए बदला मौसम का मिजाज : मौसम विभाग के अनुसार, एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में उत्तर राजस्थान और निकटवर्ती पंजाब, हरियाणा के ऊपर मध्य समुद्र तल से 3.1 से 7.6 किमी ऊंचाई के बीच में स्थित है। एक ट्रफ उत्तरी गुजरात से दक्षिणी हरियाणा तक राजस्थान के मध्य भाग से होकर मध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर विस्तृत है। उत्तर-पूर्वी भारत के ऊपर लगभग 213 किमी प्रतिघंटा की गति से जेट स्ट्रीम बह रही हैं। इन्हीं सिस्टमों के असर से मौसम का मिजाज बदला है। बादल छाए हैं और बारिश का दौर चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो आगामी 24 घंटों में मौसम साफ होने लगेगा। दिन में धूप खिलेगी।

छतरपुर में डीजे पर गाना बदलने पर जमकर मारपीट

बारात से लौट रहे युवकों का पीछा कर कार से ठोका और पीटा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में एक बारात के दौरान डीजे पर गाना बदलने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि जमकर मारपीट हो गई। घटना में छह लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

बाजना थाना क्षेत्र में हुई घटना : यह घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात बाजना थाना क्षेत्र के कचाई गांव में दरगुवां तिगड्डे के पास हुई। बारात में डीजे पर डांस के दौरान गाना बदलने को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गई।

गाना बदलने की मांग से बढ़ा विवाद : जानकारी के अनुसार, बमनोरा थाना क्षेत्र की रामटौरिया चौकी के छुल्ला गांव से राजू राजा के बेटे अभिषेक राजा की बारात कचाई गांव आई थी। डीजे पर गाना चल रहा था, तभी दूल्हे पक्ष के कुछ लोगों ने गाना बदलने की मांग की। दिग्गी राजा, छोटू राजा और राजू राजा ने कहा कि पहले मौजूदा गाना खत्म होने दिया जाए, उसके बाद दूसरा गाना बजाया जाएगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया।

पीछा कर दोबारा हमला : मारपीट के बाद जब दिग्गी राजा, छोटू राजा और राजू राजा एक ही गाड़ी से गांव लौट रहे थे, तो दूसरे पक्ष के लोग बोलेरो वाहन से उनका पीछा करते हुए पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मारी और रास्ते में दोबारा मारपीट की।

तीन की हालत गंभीर : घायलों को देर रात स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें तड़के सुबह जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

पन्ना में करंट लगने से 9 साल की बच्ची झुलसी

पिता बोले-हाईटेंशन लाइन और अवैध तारों से बेटी को लगा करंट

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के पहाड़ीखेरा चौकी अंतर्गत ग्राम भवानीपुर में करंट लगने से 9 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। घटना एक अवैध विद्युत फंदे की चपेट में आने से हुई, जिससे गांव में तनाव का माहौल है। मृतिका के पिता विष्णु आदिवासी ने बताया कि उनकी बेटी साधना आदिवासी (9), जो शासकीय प्राथमिक शाला में दूसरी कक्षा में पढ़ती थी। सुबह शौच के बाद हैंडपंप पर हाथ धोने गई थी।

तारों पर हाथ पड़ते ही झुलसी बच्ची : हैंडपंप के पास ही गांव के बद्री प्रसाद ने अपने खेत की सुरक्षा के लिए कटीले तारों की बाड़ लगा रखी थी। साधना का हाथ जैसे ही इन तारों से छूआ, वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया।

पीड़ित पिता बोले- अवैध तारों से बेटी को लगा करंट : पीड़ित पिता विष्णु आदिवासी का आरोप है कि बद्री प्रसाद ने 11,000 ऋङ्क की हाईटेंशन लाइन से अवैध रूप से बिजली के तार लगा रखे थे।

ये अवैध तार उसकी बाड़ी के कटीले तारों के संपर्क में थे, जिससे पूरी बाड़ में बिजली का करंट प्रवाहित हो रहा था। बच्ची इसी अवैध विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

छतरपुर में बाइक चोरी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

4 लाख की 6 में से 4 बाइक बरामद कीं; सुनसान क्षेत्रों से करते थे चोरी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर सिटी कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से कुल 6 मोटरसाइकिलें चोरी की थीं, जिनकी कीमत 4 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 4 बाइक बरामद की हैं। इससे पहले, सिविल लाइन थाना पुलिस द्वारा भी 2 मोटरसाइकिलें बरामद की जा चुकी थीं, जो इन्हीं आरोपियों द्वारा चोरी की गई थीं।

पुलिस के अनुसार, शहर में बीते कुछ समय से लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस ने एक टीम गठित की और जांच शुरू की। संदिग्धों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुखबिरों को सक्रिय किया गया। इसी दौरान, दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने बाइक चोरी की कई वारदातों को कबूल किया।

आरोपियों से 4 बाइक बरामद की: आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से चोरी की गई 4 मोटरसाइकिलें बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी सुनसान इलाकों और बाजार क्षेत्रों में खड़ी बाइकों को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही वे ताला तोड़कर वाहन लेकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज विश्वकर्मा और हल्के भैया यादव के रूप में हुई है, जो ग्राम रामनगर, कोतवाली थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पंकज विश्वकर्मा पर पहले से ही 4 मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से अन्य संदिग्ध मामलों में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी गहनता से जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि उनकी संलिप्तता चोरी की अन्य वारदातों में तो नहीं है। फिलहाल, दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सिंगरौली में जुआ खेलते 7 गिरतार, नकदी जत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस ने सिंगरौली जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र में जुआ खेलते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के पास से 30,900 रुपये नकद जब्त किए। पुलिस को सूचना मिली थी कि बैढ़न के बिलौजी स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। दबिश के दौरान पुलिस ने सात आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोगों में सोनू केशरवानी, कामाख्या शाह, मिश्रीलाल शाह, जयप्रकाश मोहम्मद, ओमप्रकाश जायसवाल, पवन कुमार शाह और ओमप्रकाश शाह शामिल हैं। पुलिस ने मौके से ताश की गड्डी और 30,900 रुपये नकद जब्त किए।

पाकिस्तान ने खिलाड़ियों से ऐसे डिलीट करवाया था बर्तन धोने वाला वीडियो, हो गया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। सात साल बाद FIH प्रो हॉकी लीग के लिए क्वालिफाई करना पाकिस्तान के लिए बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरा विवादों में घिर गया। पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट ने लाहौर लौटते ही फ्लाइट, होटल और बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि खिलाड़ियों को एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा और होटल में भुगतान विवाद के चलते परेशानियां झेलनी पड़ीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कथित तौर पर टीम से बर्तन धोने वाला वीडियो डिलीट करवाया गया।

सिडनी एयरपोर्ट पर 14 घंटे परेशानी: 18 फरवरी को लाहौर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कप्तान अम्माद शकील बट ने बताया कि सिडनी पहुंचने के बाद टीम को 13-15 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। खिलाड़ियों के लिए होटल की व्यवस्था नहीं थी और वे ओपेरा स्ट्रीट के आसपास भटकते रहे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निराशाजनक है। खिलाड़ियों को न तो पर्याप्त जानकारी दी गई और न ही किसी अधिकारी ने उनकी स्थिति पर ध्यान दिया।

होटल भुगतान विवाद और अस्थायी इंतजाम: बट के मुताबिक सिडनी से होबार्ट और फिर कैनबरा पहुंचने के बाद भी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। होटल पहुंचने पर पता चला कि अग्रिम भुगतान नहीं किया गया था। इससे खिलाड़ियों को अस्थायी इंतजाम होने तक इंतजार करना पड़ा। कप्तान ने आरोप लगाया कि अव्यवस्था इतनी थी कि कुछ खिलाड़ियों को मैच से पहले किचन साफ करने और बर्तन धोने पड़े। उनका कहना था कि ऐसी परिस्थितियों में खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करना मुश्किल है।

वीडियो डिलीट करने का आरोप: ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें टीम की खराब स्थिति दिखाई गई थी। बट ने दावा किया कि बाद में उन्हें बताया गया कि मामला ÷इंडिया तक पहुंच गया है÷ और देश की छवि खराब हो सकती है।कप्तान ने स्वीकार किया कि एक अन्य वीडियो में सब कुछ सामान्य दिखाने की कोशिश की गई थी। उनके अनुसार, वह वीडियो असल हालात पर पर्दा डालने के लिए बनाया गया था, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की छवि प्रभावित न हो।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन में हलचल: इन आरोपों के बाद पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) में हलचल मच गई। फेडरेशन के अध्यक्ष तारिक बुगती ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (PSB) ने स्पष्ट किया कि उसने होटल और अन्य खर्चों के लिए 10 मिलियन पाकिस्तानी रुपए से अधिक की राशि जारी की थी। बोर्ड ने कहा कि मामले की विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने दिए जांच के आदेश: PHF अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। अब सबकी नजरें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं कि जिम्मेदारी किस पर तय होती है और क्या कार्रवाई की जाएगी। दौरे के दौरान पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम के प्रदर्शन पर भी असर पड़ा।

अभिषेक शर्मा ने की वाशिंगटन सुंदर की बराबरी, रोहित शर्मा टॉप पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 का अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला। टीम इंडिया ने इस मैच को 17 रन से जीता। जीत के बावजूद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की फॉर्म टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चिंता रही। अभिषेक शर्मा को टी20 विश्व कप 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन निजी तौर पर उनके लिए टी20 विश्व कप अब तक बुरा सपना साबित हुआ है। विश्व कप में अभिषेक अब तक एक भी रन नहीं बना सके हैं। वह लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट हुए हैं। यूएसए के खिलाफ ग्रुप स्टेज के पहले मैच में वह पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। नामीबिया के खिलाफ वह बीमारी की वजह से नहीं खेले थे। पाकिस्तान के खिलाफ 4 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हुए थे। नीदरलैंड के खिलाफ उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन इस मैच में भी अभिषेक ने निराश किया और तीन गेंदों का सामना करते हुए बिना खाता खोले बोल्ड हो गए।

अंतरराष्ट्रीय टी20 में लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी अभिषेक से पहले लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय टी20 में सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मौजूदा टी20 कप्तान दासुन शनाका के नाम है। शनाका 16 बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय टी20 में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित अपने करियर में 12 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई, एजेंसी। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया। गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई। गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें। यह WTA लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी।

● शानदार जीत के साथ अफगानिस्तान का अभियान समाप्त

नबी ने 7 रन देकर निकाले 4 विकेट

चेन्नई, एजेंसी। अफगानिस्तान ने कनाडा के खिलाफ 82 रन से जीत के साथ अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान का अंत किया है। इस मुकाबले में मोहम्मद नबी ने 4 ओवरों में महज 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 39वें मैच में अफगानिस्तान ने 4 विकेट खोकर 200 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने इब्राहिम जादरान के साथ 5.3 ओवरों में 47 रन की साझेदारी की। गुरबाज 20 गेंदों में 5 चौकों के साथ 30 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गुलबदीन नायब (1) भी पवेलियन लौट गए। यह टीम 49 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से सेदिकुल्लाह अटल ने इब्राहिम जादरान के साथ तीसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 95 रन की साझेदारी की। सेदिकुल्लाह 32 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जादरान ने अजमतुल्लाह उमरजई (13) के साथ 31 रन, जबकि दरवेश रसूली (नाबाद 4) के साथ 25 रन जोड़े।

इब्राहिम जादरान 56 गेंदों में 5 छक्कों और 7 चौकों के साथ 95 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से जसकरण सिंह ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि डिलन हेलिगर ने 1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में कनाडा की टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। युवराज सामरा और कप्तान दिलप्रीत बाजवा की सलामी जोड़ी ने 2.2 ओवरों में 25 रन की साझेदारी की। दिलप्रीत 7 गेंदों में 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 2 छक्के शामिल रहे। इसके बाद युवराज सामरा ने 17 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

यह टीम 48 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से साद बिन जफर ने हर्ष ठाकर के साथ छठे विकेट के लिए 37 गेंदों में 53 रन जुटाकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। हर्ष 24 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए, जबकि साद ने 28 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। अफगानिस्तान की तरफ से मोहम्मद नबी ने 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। राशिद खान ने 2 विकेट निकाले।

कपिल देव ने टूरिज्म मिनिस्टर गजेंद्र सिंह शेखावत से की मुलाकात, 'गोल्फ टूरिज्म पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (PGTI) के अध्यक्ष कपिल देव ने PGTI के सीईओ अमनदीप जोहल के साथ टूरिज्म मिनिस्टर गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और भारत में गोल्फ टूरिज्म की संभावनाओं पर चर्चा की। यह मीटिंग बुधवार शाम एआई समिट में हुई। मीटिंग में प्रोफेशनल टूर्नामेंट, ऐतिहासिक चैंपियनशिप कोर्स और भारत के अनुकूल मौसम का फायदा उठाकर भारत को एक प्रीमियम ग्लोबल गोल्फ डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित करने पर फोकस किया गया, जिससे पूरे साल अलग-अलग इलाकों में गोल्फ टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सके। चर्चा के मुख्य एरिया में भारत के बड़े शहरों में इंटीग्रेटेड गोल्फ टूरिज्म सर्किट का डेवलपमेंट, टूरिज्म मिनिस्ट्री और डीपी वर्ल्ड PGTI के बीच मजबूत सहयोग इनबाउंड टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी ग्रोथ और ग्लोबल ब्रॉडकास्ट विजिबिलिटी को बढ़ाने के लिए प्रोफेशनल टूर्नामेंट का फायदा उठाना शामिल थे। गोल्फ टूरिज्म को दुनिया भर में एक हाई-वैल्यू ट्रैवल सेगमेंट के तौर पर पहचाना जाता है, जिसमें विजिटर हॉस्पिटैलिटी रेवेन्यू, लोकल इकॉनमी, एविएशन ट्रैफिक और डेस्टिनेशन ब्रांडिंग में अहम योगदान देते हैं। इंटरनेशनल गोल्फ ट्रैवलर आम तौर पर आम टूरिस्ट से काफी ज़्यादा खर्च करते हैं, जिससे यह सेगमेंट भारत के प्रीमियम टूरिज्म के लक्ष्यों के साथ स्ट्रेटेजिक रूप से जुड़ा हुआ है। इस चर्चा का एक खास हिस्सा पीजीटीआई और ग्लोबल डीपी वर्ल्ड टूर के बीच मजबूत होती पार्टनरशिप थी, जो इंटरनेशनल टूर्नामेंट के जबरदस्त दौर के जरिए भारत में वल्ड-ंक्लास कॉम्पिटिटिव गोल्फ ला रही है।

प्राग मास्टर्स शतरंज से वापसी करेंगे विश्व चैंपियन गुकेश

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य शतरंज इतिहास के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश को इसी साल दिसंबर में अपना विश्व खिताब बचाने के लिए उतरना होगा और ऐसे में क्लासिकल शतरंज इस साल गुकेश का मुख्य लक्ष्य है . टाटा स्टील शतरंज में मिले जिले प्रदर्शन के बाद अब गुकेश प्राग मास्टर्स शतरंज में क्लासिकल शतरंज खेलते नज़र आयेंगे , गुकेश के अलावा उज़्बेकिसतान के अब्दुसत्तोरोव नोदीरबेक , जर्मनी के विंसेंट केमर , ईरान के परहम मघसूदलू , जॉर्डन के जॉर्डन वान फारेस्ट , भारत के अरविंद चितम्बरम , उज़्बेकिसतान के नोदीरबेक याकुब्बोएव , यूएसए के नमन हंस मोके और मेजबान चेक गणराज्य के डेविड नावरा खेलते नजर आयेंगे . राउंड रोबिन आधार पर इस मुक़ाबले में कुल 9 राउंड फ़रबरी 25 से 6 मार्च के दौरान खेला जाएगा।

कतर ओपनः कार्लोस अल्काराज का वार्टर फाइनल में करेन खाचानोव से होगा मुकाबला

दोहा, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने वैलेंटिन रॉयर पर सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से जीत के साथ कतर ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। दूसरे सेट में एक समय अल्काराज का स्कोर 2-5 था, लेकिन इसके बाद लगातार 5 गेम जीतते हुए उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैं फिर से अच्छी रिदम और अच्छा टेनिस खेल पाया। मैं टेनिस जानता हूं। यह सिर्फ एक अंक के बारे में है, और कभी-कभी सेट या मैच खत्म करना वाकई मुश्किल होता है। मैं झूठ नहीं बोलूंगा, कुछ पल ऐसे थे जब मैंने तीसरे सेट के बारे में सोचा। मुझे खुशी है कि मैंने इसे पलट दिया और सीधे सेटों में जीत हासिल की।' क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का मुकाबला करेन खाचानोव से होगा। सातवीं सीड खाचानोव ने बुधवार को मार्टन फुकसोविक्स को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया था। खाचानोव 2024 में कतर ओपन के चैंपियन रहे थे।

अल्काराज अब आउटडोर हार्ड कोर्ट पर 27 मैचों की जीत की स्ट्रीक पर हैं। यह सिलसिला पिछले अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में उनके टाइटल जीतने के बाद शुरू हुआ था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की उपलब्धि हासिल करने वाले 22 साल के अल्काराज अपने पहले कतर ओपन खिताब की तलाश में हैं। वह एक साल पहले इवेंट डेब्यू पर क्वार्टर फाइनल स्टेज में जिरी लेहेका से हार गए थे। अल्काराज के ड्रॉ के हाफ में दूसरा क्वार्टर फाइनल पांचवें सीड और डिफेंडिंग चैंपियन एंड्री रुबलेव का मुकाबला स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। रुबलेव ने फैबियन मारोजसन को 6-2, 6-4 से हराया, जबकि पूर्व विश्व नंबर 3 सिटसिपास चौथे सीड डेनियल मेदवेदेव को 6-3, 6-4 से हराकर 10 महीने में अपने पहले टूर-लेवल क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे।

टी20 विश्व कप: वेस्टइंडीज ने इटली को हराया

'प्लेयर ऑफ द मैच' बने कप्तान शाई होप

कोलकाता, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन से हरा दिया है। इडेन गार्डेन, कोलकाता में खेले गए मुकाबले में 166 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली 18 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। 166 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली के प्रदर्शन को देखते हुए क्रिकेट फैंस तगड़े संघर्ष की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने इटली के लिए लक्ष्य को मुश्किल बना दिया। इटली की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 12 के स्कोर पर पहला और 26 के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवा दिया। मोस्का बंधुओं के आउट होने के बाद इटली कभी लक्ष्य के करीब जाती नहीं दिखी और नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही। पूरी टीम 18 ओवर में 123 पर सिमट गई और 42 रन से हार गई।

जेजे स्मट्स ने 24 और बेंजामिन मानेटी ने 26 रन बनाए। एंटोनी फोंसेका ने 19 रन बनाए। ग्रांट स्टिवर्ट ने 12 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं जा सका।

वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड ने 4 ओवर में 19 रन देकर 3, शमार जोसेफ ने 4 ओवर में 30 रन देकर 4, गुडाकेश मोती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 और अकिल हुसैन ने 3 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 165 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने 46 गेंद पर 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 75 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा रोस्टन चेज ने 25 गेंद पर 24, शरफेन रदरफोर्ड ने 15 गेंद पर नाबाद 24 और मैथ्यू फोर्ड ने 8 गेंद पर अहम 16 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया-न्यूज़ीलैंड के लिए 12 टीमों का टिकट पक्का, जानें क्या है बांग्लादेश की स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए क्वालिफिकेशन की रूपरेखा स्पष्ट कर दी है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में चल रहे 2026 वर्ल्ड कप के सुपर-8 चरण के समीकरण साफ होने के साथ ही, अगले विश्व कप की तस्वीर भी धुंधली से साफ होने लगी है। आगामी 2028 टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। सुपर-8 से मिला सीधा प्रवेश नियमों के मुताबिक, 2026 वर्ल्ड कप के सुपर-8 स्टेज में जगह बनाने वाली टीमें सीधे तौर पर 2028 के टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। इनमें भारत, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड जैसी दिग्गज टीमें शामिल हैं। इसके अलावा ज़िम्बाब्वे ने भी शानदार प्रदर्शन के दम पर अपनी जगह सुरक्षित कर ली है।

लक्ष्य अनुसार वसूली की कार्यवाही करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि लक्ष्य के अनुरूप वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने जिला पंजीयक, आरटीओ, खनिज, आबकारी अधिकारी एवं नजूल अधिकारी को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये निर्धारित लक्ष्य के अनुसार अपने-अपने विभाग की राजस्व वसूली सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व लेखा के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि 18 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध अभी तक 8 करोड़ रूपये की राजस्व वसूली हुई शेष राशि की वसूली नियत समय से पूर्व अनिवार्यत: करायें।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक मऊगंज में आयोजित की गयी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल की अध्यक्षता में जिला पंचायत रीवा की सामान्य सभा की बैठक मऊगंज में आयोजित की गयी। कलेक्टर सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए नीता कोल ने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों की विशेष मांग पर मऊगंज में जिला पंचायत की सामान्य सभा की पहली बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क फेज-4 के तहत 304 ग्रामों एवं मुख्यमंत्री मजराटोला सड़क योजना अन्तर्गत 1320 ग्रामों के सड़क निर्माण का सामान्य सभा में अनुमोदन किया गया। अध्यक्ष नीता कोल ने कहा कि रीवा एवं मऊगंज जिले में ऐसे बहुत से गांव व मजरे टोले थे जो बारहमासी सड़कों के संपर्क से दूर थे और यहां के ग्रामीणों को आवागमन में काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से सड़क निर्माण की बड़ी समस्या का समाधान होगा। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के फेज क्रं.4 के अन्तर्गत प्रधानमंत्री ग्रामीण विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप रीवा जिले के 304 गांवों का चयन प्राथमिकता क्रम में किया गया है जिसमें 550 किलोमीटर सडकों का निर्माण होगा। इसी तरह मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के अन्तर्गत कुल 1320 गांवो में 1034 किलोमीटर सड़कों का निर्माण का अनुमोदन जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक में किया गया जिसकी वित्तीय स्वीकृत भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा दी जायेगी। इसके अतिरिक्त मऊगंज, हनुमना, नईगढ़ी, त्योथर विकासखण्डों के पेयजल योजना की समीक्षा भी की गई जिसमें सदस्यों द्वारा बताया गया मऊगंज एवं हनुमना विकासखण्ड अन्तर्गत ग्रामों में कम गहराई बाले हैण्डपम्प बंद हो रहे हैं, एकल योजना से जो टंकिया बनी है उनका संचालन नहीं किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल जीवन मिशन को निर्देशित किया गया कि आगामी गर्मी में पानी की समस्या को देखते हुए सभी एकल योजनाओं को चालू किया जाय। जिन बसाहटो में हैण्ड पम्प सूख गये हैं उनकी सूची तैयार कर कलेक्टर मऊगंज को सौपी जाय ताकि परिवहन की व्यवस्था हो सके। बैठक में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, उप मुख्यमंत्री जी के प्रतिनिधि श्री राजेश पाण्डेय सहित जिला पंचायत सदस्य के. डी. शुक्ला, देवेन्द्र शुक्ला, आशीष रामलाल पटेल, मृत्युन्जय मिश्रा, अनीता सुमन, गीता मांझी, गुलबसिया वर्मा, बूटी कोल, अनीता सिंह गोड़, पद्मेश गौतम, श्रीमती मालती मिश्रा, प्रमोद जयसवाल, पुष्पा पटेल, मुद्रिका पटेल, विनय मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि सिरमौर एवं देवतालाब, जनपद अध्यक्ष नईगढ़ी ममता तिवारी, जनपद सी.ई.ओ. मऊगंज, कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय, नीतेश सिंह, संजय सिंह, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क प्राधिकरण के महाप्रबंधक उपस्थित रहे।

ओबीसी महासभा द्वारा द्वेषपूर्ण कार्यवाहियों के विरोध में 23 फरवरी को जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ओबीसी महासभा ने संगठन के पदाधिकारियों के खिलाफ हो रही जबरन कानूनी कार्यवाहियों के विरोध में 23 फरवरी 2026 को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। महासभा का आरोप है कि विगत कुछ महीनों से ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के खिलाफ द्वेषपूर्ण भावना से कानूनी कार्यवाहियां की जा रही हैं। इस उद्देश्य से सामाजिक आंदोलनों को दबाने और उनकी आवाज को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी और प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार, रीवा जिला अध्यक्ष छोटेलाल रजक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन शोषित, पीड़ित और वंचित समाज के साथ खड़ा है। महासभा का कहना है कि यह कार्यवाहियां समाज के संवैधानिक अधिकारों पर सीधे प्रहार हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं। महासभा ने इस प्रकार की दमनात्मक कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की है। ओबीसी महासभा का कहना है कि मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग के चयनित 13% अभ्यर्थियों पर लगाए गए होल्ड को तत्काल हटाया जाए। इसके अलावा, आगामी जनगणना में पिछड़ा वर्ग के लिए जाति का कालम जोड़े जाने की भी मांग की गई है। यह ज्ञापन **स्वच्छता के जनक संत गाडगे बाबा** की जयंती के अवसर पर 23 फरवरी को जिला प्रशासन रीवा को सौंपा जाएगा। महासभा का कहना है कि यह ज्ञापन सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु एक शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक प्रयास होगा। ओबीसी महासभा ने सभी सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे इस ज्ञापन के समर्थन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को मजबूत बनाएं। महासभा ने कहा कि यह संघर्ष वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा और समाज में समानता लाने के लिए है।

45 शिक्षकों का वेतन रोके जाने पर सख्ती,डीईओ कार्यालय में कलेक्टर प्रतिभा पाल का औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में प्रशासनिक सख्ती उस समय देखने को मिली जब कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद कलेक्टर अचानक कार्यालय पहुंचीं, जिससे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न शाखाओं के रजिस्टर और अभिलेखों की गहन जांच की। प्रारंभिक जांच में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अभिलेखों में भिन्नता सामने आई, जिसे गंभीर मानते हुए उन्होंने विस्तृत जांच के निर्देश दिए।

45 शिक्षकों की सैलरी अटकी: इसी दौरान 45 शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान का मामला भी सामने आया। जानकारी मिली कि संबंधित बाबू द्वारा वेतन भुगतान की फाइलें लंबित रखी गई थीं और शिक्षकों का भुगतान रोका गया था। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही करने को कहा। निरीक्षण के समय जिला शिक्षा अधिकारी सहित कुछ कर्मचारी कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने जवाब-तलब के निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालयीन लापरवाही और अनियमितता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताया जा रहा है कि कलेक्टर कुछ महत्वपूर्ण रजिस्टर अपने साथ भी ले गईं, ताकि उनकी उच्चस्तरीय जांच कराई जा सके। फिलहाल जिला प्रशासन द्वारा पूरे मामले की जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है।

हिंदू नेता को जान से मारने की धमकी, एएसपी बोले-साइबर टीम पोस्ट की कर रही जांच

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी थाना क्षेत्र के सोहाई गांव निवासी हिंदू नेता संतोष तिवारी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। एक आपत्तिजनक पोस्ट में उन्हें गोली मारने की खुली धमकी दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संतोष तिवारी ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती आवेदन में बताया कि 'नीरज तिवारी' नामक सोशल मीडिया आईडी से उनके खिलाफ अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हुए गोली मारने की धमकी दी गई। पोस्ट देखने के बाद उन्होंने तत्काल शिकायत दर्ज कराई। फोन पर भी अलर्ट रहने की मिल रही वार्निंग तिवारी का कहना है कि हाल ही में उन्होंने एक जनप्रतिनिधि से जुड़े कुछ मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की थी। इसके बाद से उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें फोन पर भी सावधान रहने की चेतावनी दी जा रही है एएसपी बोले-मामले की जांच कर कार्रवाई करेंगे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने गुरुवार शाम को मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अज्ञात आईडी से धमकी भरा संदेश मिलने की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से पोस्ट करने वाले की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना से उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं को लागू किया गया है। पशु चिकित्सा सेवायें विभाग द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश के मूल निवासी सभी वर्ग के पशुपालकों को उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ डीएस बघेल ने बताया कि डेयरी स्थापित करने के लिए हितग्राही के पास कम से कम 3.5 एकड़ स्वयं की भूमि होना आवश्यक है। एक हितग्राही अधिकतम आठ इकाईयाँ इस योजना से स्थापित कर सकता है। एक इकाई में गौवंशीय अथवा भैंस वंशीय 25 दुधारू पशु दिए जाते हैं। एक इकाई में सभी पशुओं का एक ही नस्ल का होना आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए पशुपालन विभाग की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एमपी डीएएच डॉट जीओभी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। संयुक्त संचालक ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में एक हितग्राही एक आवेदन पर एक से अधिक डेयरी इकाईयाँ स्थापित कर सकता है। आवेदक को किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना में हितग्राही के रूप में चयन होने पर पशुपालक को निर्धारित शासकीय प्रशिक्षण संस्थान अथवा महाविद्यालय में पशुपालन का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। योजना की प्रत्येक इकाई के लिए देशी गाय की नस्ल में 36 लाख रुपए तथा शंकर गाय अथवा भैंस के लिए 42 लाख रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। योजना में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को परियोजना लागत की 33 प्रतिशत राशि का अनुदान लाभ दिया जाएगा।

मिलेट्स मिशन - मोटे अनाज हैं पोषण का भण्डार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश भर में मिलेट्स मिशन चलाया जा रहा है। रीवा जिले में भी कृषि के विविधीकरण के प्रयासों के तहत मोटे अनाजों की पैदावार बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मोटे अनाज उगाने के लिए बड़ी संख्या में किसानों ने प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन कराया है। अन्य अनाजों की तुलना में मोटे अनाज आसानी से पचने वाले और अधिक पोषण देने वाले होते हैं। मोटे अनाजों में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और कई तरह के खनिज पाए जाते हैं। मोटे अनाज प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन फ्री होते हैं। मोटे अनाज उगाने के लिए परंपरागत खेती की विधियाँ उपयुक्त हैं। इसलिए मोटे अनाज मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा में भी सहायक होते हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि रीवा जिले ही नहीं पूरे विंध्य क्षेत्र में 50 वर्ष पूर्व तक मोटे अनाजों की बड़े पैमाने पर खेती होती थी। कोदौ, ज्वार, मक्का तथा अन्य मोटे अनाज मुख्य रूप से मेहनतकशों और गरीबों का भोजन थे। कम बारिश में भी इनकी अच्छी फसल होती थी। मोटे अनाजों को कई सालों तक बिना किसी दवा के सुरक्षित भण्डारित रखा जा सकता है। मोटे अनाजों की खेती परंपरागत विधि से की जाती थी। खेती का आधुनिकीकरण होने तथा अधिक उत्पादन के लिए रासायनिक खाद एवं अन्य खादों का उपयोग करने के कारण मोटे अनाजों की खेती कम हो गई। इनका उत्पादन अपेक्षाकृत कम होता है, लेकिन इनकी पोषकता अधिक होती है। चावल और गेंहू के कुल कृषि आच्छादन में 20 प्रतिशत की कमी करके इनके स्थान पर मोटे अनाजों की खेती का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश में 10.8 लाख टन मोटे अनाजों की खेती करनी होगी। मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इनका न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना शुरू किया है।

कई लोगो के द्वारा मारपीट करने की शिकायत पर अतरैला पुलिस ने एक पर किया मामला दर्ज, फ़रियादिता ने लगाया आरोप

जवा बीएमओ ने नही बनाया मेडिकल, पुनः मेडिकल कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मामला रीवा जिले के अतरैला थानां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रौली से सामने आया है जहा पर फ़रियादिता प्रेमवती केवट पत्नी अर्जुन प्रसाद केवट निवासी रौली (मुसेलहा) थाना अतरैला जिला रीवा ने बताया कि 08/02/2026 को जब वो जंगल मे बकरियां चराने गयी थी तभी रास्ते में विजयनाथ तिवारी पिता स्व. रामविशाल तिवारी ने रास्ता रोककर मां बहिन की भद्दी भद्दी गाली देने लगा मना करने पर लिपट कर पटक दिया और मारने लगा इसके बाद कुछ ही देर में संदीप तिवारी पिता विजयनाथ तिवारी, मनीष तिवारी पिता रामखेलावन तिवारी, कल्लू तिवारी पिता रामरूचि तिवारी सभी निवासी ग्राम-रौली ने आकर जाति सूचक गाली देते हुए मारपीट और उतारू हो गए, हो हल्ला होने पर अधमरा छोड़कर सभी चले

गए। जब होश आया तो घर गयी इसके बाद अतरैला थाने में रिपोर्ट लिखाने गयी, सभी का नाम बताया लेकिन थानां प्रभारी के निर्देश पर सिर्फ विजयनाथ तिवारी के नाम रिपोर्ट लिखी गयी और थाने में हमारा अंगूठा लगवा कर कहा गया कि रिपोर्ट लिख गयी है बाद में पता चला कि बाकी के 3 लोगो के नाम रिपोर्ट नही लिखी गयी। डंडे से मारने पर मेरे बायीं आंख में काफी चोट लगी हुई है जिस कारण आंख में दिखाई नही देता और दोनों हाथ में चोट लगी हुई है छाती में चोट लगी हुई है दोनों पांव में चोट लगी हुई है जिससे चलने फिरने में परेशानी हो रही है। फ़रियादिता ने बताया मुझे मेडिकल के लिए जवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया लेकिन वहां पर जवा के डाक्टरो द्वारा एक पर्ची बनाकर दवा देकर बिना जांच किये ही वापिस कर दिया गया। जिसमें जवा बीएमओ की भी मिलीभगत है इस संबंध जब जवा बीएमओ से बात की गई तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर करते हुए गैर जिम्मेदाराना जबाव दिया कि यहा कई मेडिकल व एमएलसी होती रहती है मैं नही जानता हूँ जबकि उनके करतूतों को जवा क्षेत्र के लोगो को मालूम है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना अतरैला मे अपराध कमांक-20/2025, धारा 296 (बी), 115(2),351 (3) बीएनएस को अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है जिसके लिए फ़रियादिता ने उक्त तीनों के ऊपर प्रकरण दर्ज करने एवं पुनः मेडिकल कराने की मांग की है। फ़रियादिता ने ये भी बताया कि अतरैला थाने ने एक के नाम रिपोर्ट लिखे जाने से बाकी 3 के ऊपर रिपोर्ट लिखाने की शिकायत के लिए महिला थाना रीवा और एसपी कार्यालय रीवा गयी हुई थी लेकिन वहा मेरे आवेदन तक नही लिए गये। सरहंगों के ऊपर कार्यवाही नही होने से जान के डर से घर छोड़कर रिस्तेदारो के यहां राह रही हूं। जिसके लिए फ़रियादिता ने रीवा एसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से हमला, सिर-हाथ में चोट परिजन बोले- माता-पिता की जान को खतरा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अतरैला थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गांव में दहशत का माहौल उस समय बन गया, जब आदतन अपराधी बताए जा रहे विकास दुबे ने एक बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायल की पहचान आनंद प्रसाद दुबे के रूप में हुई है। घटना के बाद उनके पुत्र ब्रह्म नारायण दुबे ने बताया कि परिवार का आरोपी विकास दुबे से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने उनके पिता पर अचानक हमला कर दिया। कुल्हाड़ी से किए गए वार में आनंद प्रसाद दुबे को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विकास दुबे गांव का आदतन अपराधी है और पहले भी कई बार मारपीट व जानलेवा हमले कर चुका है। बावजूद इसके, पुलिस की ओर से अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। परिवार का कहना है कि आरोपी की धमकियों से वे दहशत में हैं और माता-पिता की जान को खतरा बना हुआ है।घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई होती तो यह वारदात टल सकती थी। पुलिस का कहना है कि मामले की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया गया। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेसियों ने पुतला जलाया, मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन; उमंग सिंगार से कहा था- तुम्हारी औकात क्या है

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कथित विवादित बयान के बाद जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। मंत्री द्वारा सदन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को संबोधित करते हुए 'तुम्हारी औकात क्या है' जैसी टिप्पणी किए जाने का आरोप है। इसी बयान को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य चौराहे पर मंत्री का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह

बयान लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मर्यादा के खिलाफ है। उनका आरोप था कि एक जिम्मेदार मंत्री को इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, नगर निगम महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि मंत्री द्वारा नेता प्रतिपक्ष के लिए इस्तेमाल की भाषा अत्यंत आपत्तिजनक है। यह लोकतंत्र का अपमान है। अगर जल्द ही मंत्री सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे को लेकर प्रदेश स्तर तक विरोध दर्ज कराएगी।

मऊगंज में तेंदुए ने 15 बकरियों को मारा,घर में घुसकर हमला किया; युवक भी घायल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हनुमना जनपद क्षेत्र के लोढ़ी गांव में गुरुवार देर रात एक तेंदुए ने हमला कर दिया। इस घटना में एक पशुपालक के घर में बंधी 15 बकरियों की मौत हो गई, जबकि बचाव के लिए पहुंचे एक युवक पर भी तेंदुए ने हमला कर उसे घायल कर दिया। यह घटना रात करीब एक से दो बजे के बीच हुई, जब तेंदुआ पशुपालक मिश्रीलाल कोल के कच्चे मकान की छत हटाकर अंदर घुस गया। तेंदुए ने घर में बंधी बकरियों पर हमला कर उन्हें मार डाला। बकरियों की चीख-पुकार सुनकर मिश्रीलाल के बेटे बाबूलाल कोल ने बचाव का

प्रयास किया, जिस पर तेंदुए ने हमला कर उसके बाएं हाथ में चोट पहुंचाई। ग्रामीणों के इकट्ठा होने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना सुबह वन विभाग को दी गई। लोढ़ी गांव के दूरस्थ और नेटवर्क विहीन क्षेत्र में होने के कारण सूचना पहुंचने में कुछ देरी हुई। दोपहर में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ना के बाद दहशत में ग्रामीण जंगल नहीं जाएं ग्रामीण रेंजर नयन तिवारी ने बताया कि मृत बकरियों का पशु चिकित्सा अधिकारी से पंचनामा कराया जा रहा है और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने ग्रामीणों को एहतियातन जंगल की ओर न जाने की सलाह दी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।